महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 218 | उज्जैन, शनिवार 17 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

ना जाने कितनी अनकही बातें साथ ले जाएंगे, लोग झूठ कहते हैं कि, खाली हाथ आए थे, खाली हाथ जाएंगे..

न्यूज ब्रीफ

गंगासागर मेले से ममता सरकार ने किया सत्ता में वापसी का दावा, बीजेपी ने किया पलटवार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल में विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसी भी दिन चुनाव की घोषणा हो सकती है। इस बीच ममता बनर्जी की सरकार ने गंगासागर मेले से दावा दिया है कि अगली बार भी वही सत्ता में आने वाली है। गंगासागर मेले के आयोजन का दायित्व प्राप्त राज्य के बिजली मंत्री अरूप बिश्वास, सुंदरवन विकास मंत्री बंकिम हाजरा, अग्निशमन मंत्री सुजीत बोस व कृषि विपणन मंत्री बेचाराम मन्ना ने इसके समापन समारोह में कहा कि अगली बार और भी बड़े पैमाने पर गंगासागर मेले का आयोजन किया जाएगा। दूसरी तरफ बंगाल में मुख्य विरोधी दल भाजपा ने इसे ममता सरकार का सपना बताया है। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री व बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता सुकांत मजुमदार ने कहा- मैंने खुद पिछले दिनों गंगासागर मेले का दौरा किया है। वहां पूरी अव्यवस्था थी। अगली बार तृणमूल बंगाल की सत्ता में नहीं आएगी बल्कि यहां भाजपा की सरकार बनेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महाकुंभ की तरह भव्य गंगासागर मेले का आयोजन किया जाएगा। गंगासागर मेला संपन्न होते ही सागर तट की सफाई का काम शुरू हो गया है। मेले के आयोजन का दायित्व प्राप्त मंत्रियों ने झाड़ू लगाकर इसकी शुरुआत की। मालूम हो कि इसमें करीब 3,000 सफाई कर्मियों को लगाया गया है, जिन्हें सागर प्रहरी नाम दिया गया है।

सपा नेता के गढ़ में खूब उड़ी AIMIM की पतंग, ओवैसी के खेल ने कैसे किया अखिलेश को फेल?

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव 2026 के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए को बंपर जीत मिली है। भाजपा को सबसे ज्यादा सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, इन नतीजों के बाद असदुद्दीन की पार्टी एआईएमआईएम ने सभी को चौंकाया और बड़ी सेंधमारी की। महाराष्ट्र के 29 में से 13 नगर निगमों के चुनाव में ओवैसी की पार्टी के 95 उम्मीदवार जीते हैं। एआईएमआईएम ने मुंबई में समाजवादी पार्टी के नेता अबु आजमी का गढ़ कहे जाने वाले मानखुर्द में भी जोरदार जीत हासिल की है। इतना ही नहीं छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम चुनावों में ओवैसी की पार्टी दूसरे नंबर है। मुंबई में पार्टी ने जोरदार एंट्री की है। एआईएमआईएम ने मुंबई की 29 नगर पालिकाओं में 95 सीटें जीत लीं। 29 में से 13 नगर पालिकाओं में ओवैसी की पार्टी के 95 पार्षद जीते हैं। जिस छत्रपति संभाजीनगर में उम्मीदवारों के चयन को लेकर काफी हंगामा देखने को मिला था, वहां पर एएआईएमआईएम ने 24 सीटें जीती हैं। इसके अलावा मालेगांव में 20 उम्मीदवार जीते हैं। साथ ही सोलापुर, धुले और नांदेड़ जैसे नगर निगमों में भी 8-8 उम्मीदवार जीते हैं। एआईएमआईएम के अमरावती में 6, ठाणे में 5 और नागपुर में 4 पार्षद जीते हैं। पार्टी ने चंद्रपुर में भी अपना खाता खोला है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने नगर निगम चुनावों के लिए पूरे राज्य में कई जगहों पर रैलियां की थीं। जब नतीजे आए तो पार्टी ने बड़ा धमाका किया। खास बात यह है कि एएआईएमआईएम ने समाजवादी पार्टी को पछाड़ते हुए अपनी जगह बनाई है। ओवैसी की पार्टी ने समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे अबु आजमी के गढ़ मानखुर्द में जीत हासिल की है। इसे अबु आजमी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, साथ ही इस नतीजे ने मुंबई में अखिलेश यादव की पार्टी की साख पर बट्टा लगाने का काम किया है। निकाय चुनाव के लिए ओवैसी ने पूरे राज्य में बैठकें और रैलियां करके जो मेहनत की वह रंग लगाई। अकोला में मीटिंग के दौरान काफी हंगामा देखने को मिला था, साथ ही छत्रपति संभाजीनगर में इम्तियाज जलील पर हमला करने की कोशिश की गई। इन सभी विवादों के बाद भी महाराष्ट्र में एआईएमआईएम ने बड़ी सफलता हासिल की है।

राज्य सरकार बढ़ा रही है राशि, बहनों को प्रशिक्षित कर जोड़ेंगे रोजगार से : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित किये 1836 करोड़ रुपये

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में निरंतर प्रदेश के विकास के लिये कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है, जहाँ विकास के 4 सूत्र गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (जीवायएएन) के सशक्तिकरण के लिये मिशन मोड पर कार्य हो रहा है। प्रदेश सरकार नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। आज लाड़ली बहनों के खाते में 1836 करोड़ की राशि अंतरित की गयी है। जनवरी 2026 तक बहनों के खातों में 50 हजार करोड़ की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माखन नगर (बाबई) में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत राशि वितरण के साथ विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में हितलाभ वितरण किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से प्रदेश की 29 लाख पात्र हितग्राही बहनों को गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 90 करोड़ से अधिक अनुदान राशि ट्रांसफर की और सोहागपुर विधानसभा के लिए 206 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया। इसमें माखन नगर का नवनिर्मित सर्किट हाउस भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ख्यातनाम साहित्यकार पं. माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं मुख्य चौक पर लगे तिरंगे को फहराकर राष्ट्रगान की धुन के साथ सलामी दी। उन्होंने कहा कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं में ऐसा ओज था कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी बाबई की धरती पर आकर उनकी जन्म-स्थली को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर लगी विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक बहनों के खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 32वीं किस्त का अंतरण किया गया है। उन्होंने कहा कि बहनों के हाथ में पैसे आते हैं, तो वह पूरे परिवार की चिंता करती हैं। स्वयं को सबसे पीछे रखती है और परिवार के लिए अपना जीवन लगा देती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार धीरे-धीरे लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाती जा रही है। रोजगारपरक उद्योग में काम करने पर बहनों को 5 हजार रुपए देने में भी सरकार मदद करेगी। बहनों को संपत्ति की रजिस्ट्री में 2 प्रतिशत अतिरिक्त छूट दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदापुरम का मलबरी रेशम प्रसिद्ध है। यहां धागा निर्माण में उद्योग शुरू कर 50 दीदियां लखपति बनी हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है। इस वर्ष कृषि को रोजगार और उद्योग से जोड़ा जाएगा। बहनों को प्रशिक्षण देकर स्व-सहायता समूह से जोड़ेंगे। किसानों को गेहूं, धान और दालों का उचित मूल्य दिलवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबई-मोहासा औद्योगिक क्षेत्र की 1000 एकड़ भूमि का आवंटन किया जा चुका है। उद्योगों के लिए अब 400 एकड़ भूमि आवंटन पर काम हो रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दे रही है। हम सभी वर्ष ञ्ञ2047 तक भारत को विकसित बनाते दुनिया का नंबर वन देश बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में दूषित जल के कारण हुई घटना के बाद हमारी सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की महत्वपूर्ण घोषणाएं

42 हजार हैक्टेयर की बागरा-साखा होज सिंचाई परियोजना प्रारंभ होगी।

122 करोड़ की लागत से तवा नदी पर नया पुल बनेगा। इससे बाबई-सोहागपुर सीधे इटारसी से जुड़ेगा।

नर्मदापुरम से बाबई, सोहागपुर, पिपरिया और बनखेड़ी तक सड़क को 4 लेन किया जाएगा।

माखन नगर में महाविद्यालय के लिए अतिरिक्त कक्षों का निर्माण होगा।

सोहागपुर में एसडीएम भवन और माखन नगर में नया तहसील भवन बनेगा।

माखन नगर को मिलेगी नई फायर ब्रिगेड।

माखन नगर के लिए 154 एकड़ भूमि पर 5 हजार से अधिक क्षमता की विशाल गौशाला बनेगी।

माखन नगर में खेल स्टेडियम और सोहागपुर में नया महाविद्यालय बनेगा।

मुख्यमंत्री का रोड-शो में नागरिकों ने किया अभिनंदन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माखन नगर में रोड-शो किया। नगर के मुख्य मार्गों पर खुले वाहन में सवार होकर मुख्यमंत्री ने नागरिकों का अभिवादन किया। रोड-शो के मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नागरिकों ने पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया।

'ठाकरे ब्रांड' का आखिरी किला भी ढहा, मुंबई महानगरपालिका में बनेगा भाजपा का मेयर

मुंबई/ जीएनएस। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के ऐतिहासिक चुनावी नतीजों ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत कर दी है। तीन दशकों से मुंबई की सत्ता पर काबिज मातोश्री का वर्चस्व आखिरकार समाप्त हो गया है। शुक्रवार को घोषित परिणामों में भाजपा-शिंदे गठबंधन (महायुति) ने प्रचंड बहुमत हासिल कर ठाकरे परिवार के आखिरी किले को ध्वस्त कर दिया है।

अब यह साफ हो गया है कि देश के सबसे अमीर नगर निकाय में इस बार भाजपा का मेयर बैठेगा। बीएमसी के साथ ही हुए महाराष्ट्र की अन्य 28 महानगरपालिकाओं के चुनाव में से भी अधिसंख्य के परिणाम भाजपा के ही पक्ष में आए हैं।

भाजपा-शिंदे गठबंधन ने बीएमसी चुनाव में प्रचंड जीत- कुल 227 सीटों वाली बीएमसी में बहुमत के लिए 114 सीटों की आवश्यकता थी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने मिलकर 127 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसमें भाजपा को 97 एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्ववाली शिवसेना को 30 सीटें हासिल हुई हैं।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को मिलाकर 73 सीटें मिली हैं। इनमें 64 सीटें शिवसेना (यूबीटी) को एवं नौ सीटें मनसे को मिली हैं। ठाकरे बंधु 20 साल बाद साथ आकर भी बीएमसी की सत्ता हासिल नहीं कर पाए।

11 सालों में 61 प्रतिशत बढ़ी गंगा में मछलियों की प्रजातियां

कोलकाता/ जीएनएस। गंगा नदी में गत 11सालों में मछलियों की प्रजातियों में करीब 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केंद्रीय अंतरस्थलीय मत्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआरआई) के अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। अनुसंधान के मुताबिक नदी में लगभग पांच दशक में मछलियों की सबसे अधिक विविधता दर्ज की गई है। सीआईएफआरआई के निदेशक बीके दास ने बताया कि मछलियों की प्रजातियों की संख्या 2023 में बढ़कर 230 हो गई, जो 2012 में 143 थी। सीआईएफआरआई ने नदी के विभिन्न हिस्सों में 230 मछली प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया है।

भारत की मेजबानी में हुआ CSPOC सम्मेलन, ओम बिरला ने किया संबोधित

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत की मेजबानी में ऐतिहासिक संविधान सदन में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का 28वां सम्मेलन (सीएसपीओसी) शुक्रवार को समाप्त हुआ। समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी सशक्त और प्रासंगिक बनी रह सकती हैं, जब वे पारदर्शी, समावेशी, उत्तरदायी और जनता के प्रति जवाबदेह हों।

उन्होंने सीएसपीओसी के इतिहास में सबसे अधिक देशों की भागीदारी को इस तीन दिवसीय सम्मेलन की महत्वपूर्ण विशेषता बताते हुए विश्वास जताया कि यह व्यापक और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा कि नई दिल्ली सम्मेलन राष्ट्रमंडल संसदीय सहयोग के इतिहास में मील का पत्थर साबित हो।

इसके साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ने 29वें सीएसपीओसी की अध्यक्षता ब्रिटेन के हाउस आफ कामन्स के अध्यक्ष सर लिंडसे होयल को सौंप दी। लोकतांत्रिक संस्थाओं को अधिक जनकेंद्रित बनाने की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि पारदर्शिता निर्णय लेने में खुलेपन को सुनिश्चित करके जनता का विश्वास बढ़ाती है, जबकि समावेशिता यह सुनिश्चित करती है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हर आवाज, विशेषकर हाशिये पर रहने वालों की आवाज सुनी जाए और उसका सम्मान हो। ये सिद्धांत मिलकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की वैधता को बनाए रखते हैं और नागरिक तथा राज्य के बीच स्थायी संबंध को मजबूत करते हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा को SC से नहीं मिली राहत, महाभियोग कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली/ जीएनएस। घर में नगदी मामले में महाभियोग कार्यवाही का सामना कर रहे इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने महाभियोग कार्यवाही और जांच कमेटी के गठन को चुनौती देने वाली जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका खारिज कर दी है।

जस्टिस वर्मा ने उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष द्वारा स्वीकार किये जाने और जांच कमेटी गठित किये जाने को चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत से याचिका खारिज होने का मतलब है कि जस्टिस वर्मा को उन्हें पद से हटाने के लिए चल रही महाभियोग की कार्यवाही चलती रहेगी और उन्हें उसका सामना करना पड़ेगा।

कब मिली थी नगदी- जब जस्टिस वर्मा दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश थे तब 14 मार्च 2025 की रात उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास में आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए जब अग्निशमन दल उनके आवास पहुंचा तो उसे वहां एक स्टोर रूम में भारी मात्रा में जले हुए नोटों की गड्डियां मिली थीं।

बंगाल में काटे जा रहे अल्पसंख्यकों के वोट, बंगाल में SIR को लेकर ममता बनर्जी का EC पर आरोप

कोलकाता/ जीएनएस। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार और भारतीय चुनाव आयोग पर तीखे प्रहार करते हुए राज्य की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप का गंभीर आरोप लगाया है। उत्तर बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर राज्य में अल्पसंख्यक, आदिवासी, मतुआ और राजवंशी समुदायों के वोटरों को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है।

ममता ने विशेष रूप से मालदा जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां लगभग 90,000 अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम अंतिम सूची से हटाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने इसे एक बड़ी साजिश करार देते हुए कहा कि आम लोगों के साथ-साथ अमर्त्य सेन और कवि जय गोस्वामी जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों के नाम भी इस प्रक्रिया की चपेट में आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में हालिया तनाव की घटनाओं के पीछे भाजपा और केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

कई परियोजनाओं का उद्घाटन और दो जनसभाएं... विधानसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी का बंगाल दौरा क्यों है अहम?

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। अपने इस दौरे के पहले दिन पीएम आज उत्तर बंगाल के मालदा से हावड़ा- गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच चलने वाली देश की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, पीएम शनिवार दिन में मालदा पहुंचेंगे। दोपहर लगभग 12.45 बजे से मालदा टाउन स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी वंदे भारत स्लीपर सेवा के साथ ही मालदा से कामाख्या के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

पीएम मोदी का पूरा कार्यक्रम- इसके बाद, दोपहर लगभग 1.45 बजे, प्रधानमंत्री मालदा में एक प्रशासनिक कार्यक्रम में 3,250 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रशासनिक कार्यक्रम के ठीक बाद पीएम मालदा में भाजपा की परिवर्तन संकल्प जनसभा को संबोधित करेंगे।

अगले दिन रविवार को पीएम हुगली जिले के सिंगुर में दोपहर तीन बजे से होने वाले प्रशासनिक कार्यक्रम में लगभग 830 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और कई नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने का कार्य करेंगे। इसके बाद पीएम सिंगुर में भी जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कुल सात अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे, जिससे बंगाल का अन्य राज्यों के साथ रेल संपर्क मजबूत होगा।

क्यों महत्वपूर्ण यह दौरा- वाममोर्चा शासनकाल के दौरान किसानों से कथित जबरन भूमि अधिग्रहण के खिलाफ ममता बनर्जी के आंदोलन के चलते सिंगुर एक समय देश में सुर्खियों मे रहा है।

ड्यूटी के साथ मानवता की मिसालः पुलिसकर्मी ने जुलूस में फंसी नाबालिग को समय पर पहुँचाया अस्पताल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस न केवल अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी निभा रही है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का भी पूरी संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के साथ निर्वहन कर रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान कई बार ऐसी मिसालें पेश कर रहे हैं, जो समाज में विश्वास और सम्मान को और मजबूत करती हैं।

इसी क्रम में चरण पादुका यात्रा के दौरान एक सराहनीय मानवीय पहल सामने आई। दिनांक 11 जनवरी 2026 को थाना मल्हारगंज क्षेत्र अंतर्गत टोरी कार्नर पर चरण पादुका यात्रा के चलते अधिकांश सड़कें जुलूस और भारी भीड़ के कारण अवरुद्ध थीं। इसी दौरान विश्व हिंदू परिषद की दुर्गा वाहिनी से यात्रा में शामिल एक 15 वर्षीय नाबालिग बालिका प्राची, निवासी गांधी नगर, की अचानक तबियत बिगड़ गई और वह अचेत हो गई। बच्ची को इलाज के लिए कुछ लोग गोद में उठाकर टोरी कार्नर तक लाए, लेकिन वहां तत्काल कोई चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

स्थिति की गंभीरता को समझते हुए टोरी कार्नर पर ड्यूटी पर तैनात आरक्षक भूपेश शर्मा (डीआरपी लाइन) ने बिना समय गंवाए सूझबूझ और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। उन्होंने बच्ची को उसकी एक साथी के साथ अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाया और जुलूस व यातायात अवरोधों के बीच गलियों से होते हुए उसे तुरंत गीतांजलि अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा बच्ची को प्राथमिक उपचार दिया गया।

बच्ची नाबालिग होने और स्वास्थ्य पूरी तरह सामान्य न होने के कारण आरक्षक भूपेश शर्मा द्वारा उसे सुरक्षित रूप से उसके घर गांधी नगर पहुंचाकर उसकी मां के सुपुर्द किया गया। इस त्वरित, संवेदनशील और जिम्मेदार कार्यवाही से बच्ची के परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिसकर्मी भूपेश शर्मा की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए उनका धन्यवाद किया।

यह घटना इंदौर पुलिस के मानवीय चेहरे को उजागर करती है, जहां ड्यूटी के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

25 जनवरी को विंध्याचल सोशल ग्रुप का 20वां वार्षिकोत्सव सम्मेलन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप, इंदौर का 20वां वार्षिकोत्सव सम्मेलन 25 जनवरी 2026, रविवार को सुबह 11 बजे से बिचौली मर्दाना स्थित ब्लू लीफ होटल के गार्डन में आयोजित किया जाएगा। ग्रुप के अध्यक्ष श्री आर. पी. शर्मा, सचिव श्री दिलीप मिश्रा एवं मीडिया प्रभारी डॉ. आर. एन. मिश्रा ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस वार्षिकोत्सव सम्मेलन में मालवा की माटी इंदौर एवं आसपास निवास कर रहे विंध्य क्षेत्र के रीवा, सीधी, सतना, शहडोल, सिंगरौली, मैहर, उमरिया, अनूपपुर एवं मऊगंज जिले के सभी जाति एवं धर्म के हजारों लोग सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना और विंध्य क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सहेजना है।

सम्मेलन में विंध्य क्षेत्र की परंपराओं के अनुरूप विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही समाज के उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं तथा ग्रुप से जुड़े जिला, संभाग, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के वरिष्ठजनों का भी सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, सीधी-सिंगरौली सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं इंडिगो एयरलाइंस के वाइस प्रेसिडेंट श्री वरुण द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आयोजन को लेकर विंध्याचल सोशल ग्रुप के सदस्यों एवं समाजजनों में उत्साह का माहौल है।

विद्यार्थियों को बताये गये पर्यटन के महत्व-पर्यटन के प्रति बच्चों को किया गया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत पर्यटन इंदौर पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा केंद्रीय विद्यालय कसरावद के युवा टूरिज्म क्लब के विद्यार्थियों एवं अन्य विद्यार्थियों को पर्यटन के महत्व एवं पर्यटन में केरियर बनाने एवं भारत सरकार की पर्यटन योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय कसरवाद के लगभग 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पर्यटन विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को पर्यटन के प्रति जागरूक करना तथा पर्यटन स्थलों को साफ स्वच्छ रखने, विरासत को कोई क्षति ना पहुंचाएं, अगर कहीं कोई ऐसा करते हुए दिखे तो वह उन्हें भी ऐसा करने से रोकें। इस तरह से हमारे युवा पीढ़ी ही पर्यटन की ब्रांड एंबेसडर होगी। पर्यटन के प्रति जागरूक युवा ज्यादा से ज्यादा पर्यटन के क्षेत्र में अपना केरियर बनाने का भी प्रयास करेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल में ब्लॉक के कारण ट्रेनें प्रभावित

पश्चिम रेलवे
Western Railway

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के गोरखपुरङ्कगोंडा रेलखंड में तीसरी रेल लाइन के निर्माण कार्य हेतु नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित होगी।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रभावित।

ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है-

निरस्त ट्रेनें - गाड़ी संख्या 05053 गोरखपुरङ्कबांद्रा टर्मिनस स्पेशल जो पूर्व में 13 फरवरी 2026 तक निरस्त थी, उसे अब बढ़ाकर 27 मार्च 2026 तक निरस्त किया गया है।

गाड़ी संख्या 05054 बांद्रा टर्मिनस- गोरखपुर स्पेशल जो पूर्व में 14 फरवरी 2026 तक निरस्त थी, उसे अब बढ़ाकर 28 मार्च 2026 तक निरस्त किया गया है।

शॉर्ट टर्मिनेशन /आंशिक रूप से निरस्तीकरण- गाड़ी संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस- गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस जो पूर्व में 08 फरवरी 2026 तक बलरामपुर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जा रही थी, 29 मार्च 2026 तक बलरामपुर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

गाड़ी संख्या 22922 गोरखपुर- बांद्रा टर्मिनस अंत्योदय एक्सप्रेस जो पूर्व में 10 फरवरी 2026 तक बलरामपुर स्टेशन से शॉर्ट ऑरिजिनेट की जा रही थी, 31 मार्च 2026 तक बलरामपुर स्टेशन से शॉर्ट ऑरिजिनेट होगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन संचालन से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट, रेल मदद ऐप अथवा 139 रेल मदद नंबर का उपयोग करें।

भागीरथपुरा में फिर पहुँचा नर्मदा जल, महापौर ने नल का पानी पीकर परखी गुणवत्ता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा क्षेत्र में नर्मदा जलप्रदाय की स्थिति का जायजा लेने के लिए महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने आज क्षेत्र का प्रत्यक्ष अवलोकन एवं भ्रमण किया। इस दौरान महापौर स्वयं मौके पर पहुँचे और नर्मदा जलप्रदाय के अंतर्गत नल से ग्लास में पानी भरकर पीते हुए उसकी गुणवत्ता की जांच की।

महापौर श्री भार्गव ने बताया कि नगर निगम, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से विगत दिनों से भागीरथपुरा क्षेत्र में लगातार राहत एवं सुधारात्मक कार्य किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में क्षेत्र के नागरिकों का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में जलप्रदाय कर नियमित रूप से पानी के सैम्पल लिए गए और सभी आवश्यक जांच निर्धारित मापदंडों के अनुसार की गई, जिनमें जल की गुणवत्ता पूरी तरह सुरक्षित पाई गई।

महापौर ने जानकारी दी कि सभी जांचों में जल सुरक्षित पाए जाने के बाद आज भागीरथपुरा क्षेत्र के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से में नर्मदा जलप्रदाय पुनः प्रारम्भ कर दिया गया है, जिससे लगभग 15 हजार की आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जल की शुद्धता को लेकर नागरिकों का भरोसा बढ़ाने के उद्देश्य से महापौर श्री भार्गव ने स्वयं नल से नर्मदा जल लेकर पीकर उसकी गुणवत्ता का प्रत्यक्ष परीक्षण किया।

महापौर श्री भार्गव ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की कि जलप्रदाय प्रारम्भ होने के बाद भी एहतियात के तौर पर पानी को उबालकर ही उपयोग में लें तथा नगर निगम, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइनों का पूर्ण रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की समस्या या असुविधा उत्पन्न होती है तो नागरिक तत्काल नगर निगम अथवा जिला प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते समस्या का समाधान किया जा सके।

तिलक नगर थाना पुलिस की कार्रवाई, गांजे के साथ 17 वर्षीय नाबालिग गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना तिलक नगर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक 17 वर्षीय नाबालिग बालक को अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 1.825 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 18 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष सिंह के निर्देशों पर शहर में अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त ज़ोन-02 श्री कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ज़ोन-02 श्री अमरेंद्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मंडलोई के मार्गदर्शन में थाना तिलक नगर पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध नाबालिग लड़का स्कूल बैग लेकर पिपलियाहाना से भिचौली की ओर पैदल जा रहा है, जो अवैध रूप से गांजे की बिक्री एवं सप्लाई करता है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम को बताए गए स्थान पर भेजा गया, जहां मुखबिर के बताए हुलिए का 17 वर्षीय नाबालिग बालक मिला। तलाशी के दौरान उसके स्कूल बैग से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ, जिसकी मात्रा लगभग 1.825 किलोग्राम पाई गई।

पुलिस ने गांजे को विधिवत जप्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। विधि विरुद्ध बालक को गिरफ्तार कर उसे वैधानिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया है। पुलिस द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी यह गांजा कहां से लाया था और कहां ले जा रहा था, साथ ही इसके पीछे सक्रिय नेटवर्क और स्रोतों के संबंध में भी पूछताछ जारी है।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इंदौर द्वारा उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के सहयोग से ÷समकालीन कला साहित्य, संगीत एवं नृत्य का विज्ञान एवं समाज विज्ञान से अंतर्संबंध÷ विषय पर 16 और 17 जनवरी को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन और चित्रकला विभाग एवं IQAC विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य कला एवं साहित्य को विज्ञान तथा समाज विज्ञान के साथ नए दृष्टिकोण से समझने तथा समकालीन संदर्भों में उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ कैनवास पर सभी अतिथियों द्वारा पेंटिंग बनाकर किया गयाद्य अतिथियों का स्वागत परिचय एवं अभिनंदन कर संगोष्ठी की संयोजक डॉ. कुमकुम भारद्वाज ने सभी का स्वागत किया। संगोष्ठी के संबंध में डॉ. सुधीर कुमार छारी ने इसकी आवश्यकता उद्देश्य और महत्व को विस्तार पूर्वक बतायाद्य मुख्य अतिथियों में से डॉ. दीपक सालवी द्वारा संगोष्ठी के विषय पर बीज वक्तव्य दिया गया तथा डॉ कनुप्रिया ने कला, साहित्य, नृत्य, चित्र का आपस में अंतर्संबंध को बतायाद्य डॉ. मीनाक्षी स्वामी ने अपने वक्तव्य में कहा कि कला का आगमन विज्ञान से भी पहले हुआ और मनुष्य ने गुफाओं को अपना पहला कैनवस बनाया द्य साथ ही इन्होंने साहित्य और समाज का अंतर्सम्बन्ध बताया। डॉ. प्रतीक श्रीवास्तव ने कला एवं कलाकारों की चुनौतियों को बताते हुए कहा कि उन्हें बाजारवाद से बचना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कलाकार होने का अर्थ है संवेदनशील होना और कला के बिना मनुष्य पूंछ विहीन पशु है, कला ही है जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है। ओरांव जनजाति की अग्नेश केरकट्टा ने कैनवास पर लाइव पेंटिंग बनाकर बताई। डॉ. भावना ग्रोवर ऑनलाइन माध्यम से जुड़ी।

भारत- न्यूजीलैंड वनडे मैच के दौरान इंदौर में यातायात व्यवस्था व डायवर्शन लागू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 18 जनवरी 2026 को होलकर स्टेडियम, इंदौर में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आयोजित होने वाले वनडे क्रिकेट मैच को देखते हुए शहर में विशेष यातायात व्यवस्था एवं डायवर्शन प्लान लागू किया गया है। यह व्यवस्था दोपहर 12 बजे से मैच समाप्ति तक प्रभावशील रहेगी।

मैच के दौरान स्टेडियम की ओर सामान्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा और केवल पासधारी एवं आपातकालीन वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। दर्शकों के लिए स्टेडियम तक पैदल प्रवेश की व्यवस्था की गई है। हुकुमचंद घंटाघर एवं पंचम की फेल की ओर से आने वाले दर्शकों का प्रवेश जंजीरवाला चौराहे से होगा, जबकि लेटर्न चौराहे की ओर से आने वाले दर्शक पैदल स्टेडियम की ओर जा सकेंगे।

पासधारी वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। विवेकानंद स्कूल एवं बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में पार्किंग पास वाले वाहनों का प्रवेश घंटाघर की ओर से होगा, वहीं स्टेडियम के अंदर एवं बाहर आईटीसी तथा अभय प्रशाल में पार्किंग पास वाले वाहन लेटर्न चौराहा अथवा यशवंत क्लब रोड की ओर से प्रवेश कर सकेंगे। बिना पास वाले वाहनों की पार्किंग बाल विनय मंदिर स्कूल, एसजीएसआईटीएस परिसर एवं पंचम की फेल मैदान में की गई है, जहां उपलब्धता के अनुसार पहले आओ-पहले पार्क करो के आधार पर व्यवस्था रहेगी।

यातायात व्यवस्था के तहत लेटर्न चौराहा से जंजीरवाला चौराहा होते हुए इंडस्ट्रीज तक, घंटाघर से जंजीरवाला चौराहा होते हुए लेटर्न चौराहा तक तथा पलासिया और घंटाघर से हाईकोर्ट व लेटर्न चौराहा तक के मार्ग सामान्य वाहनों के लिए प्रतिबंधित रहेंगे। इन मार्गों पर केवल पासधारी एवं आपातकालीन वाहनों को ही अनुमति होगी।

दोपहर 12 बजे से मैच समाप्ति के एक घंटे पूर्व तक शहर के कई मार्गों पर यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। सिटी बसों और पासधारी वाहनों को छोड़कर अन्य सभी सवारी वाहन आवश्यकता अनुसार रीगल चौराहे से मधुमिलन की ओर भेजे जाएंगे। गीताभवन चौराहे से घंटाघर जाने वाला यातायात ढक्कनवाला कुआं होकर श्रीमाया या मधुमिलन चौराहे की ओर जा सकेगा। रीगल चौराहे से एमजी रोड एवं हाईकोर्ट या पलासिया की ओर जाने वाले मार्ग पर केवल सिटी बसें एवं आपातकालीन वाहन ही संचालित होंगे।

विजयनगर की ओर से आने वाला यातायात, जो इंडस्ट्री हाउस से राजकुमार ब्रिज होकर मरीमाता जाना चाहता है, वह एलआईजी चौराहा, पाटनीपुरा, परदेशीपुरा, सुभाष नगर एवं कुलकर्णी भट्टा ब्रिज होकर मरीमाता की ओर जा सकेगा। इसी तरह रीगल से पलासिया जाने वाले वाहन व्हाइट चर्च होते हुए एबी रोड का उपयोग कर सकेंगे। मालवा मिल से घंटाघर या इंडस्ट्री हाउस की ओर जाने वाले वाहन पाटनीपुरा, एलआईजी चौराहा से एबी रोड का प्रयोग करेंगे।

दर्शकों की सुविधा के लिए सिटी बसें घंटाघर एवं हाईकोर्ट चौराहे के आसपास यात्रियों को उतारेंगी, जहां से दर्शक पैदल स्टेडियम तक पहुंच सकेंगे। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे पलासिया से घंटाघर, हाईकोर्ट व रीगल चौराहा, मालवा मिल से लेटर्न चौराहा व हाईकोर्ट, गीताभवन से घंटाघर व मालवा मिल तथा इंडस्ट्री हाउस से जंजीरवाला जाने वाले मार्गों से यथासंभव बचें।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्टेडियम के आसपास पार्किंग की सुविधा अत्यंत सीमित है, इसलिए दर्शक सिटी बसों एवं लोक परिवहन के साधनों का अधिक से अधिक उपयोग करें। ट्रैफिक के दबाव एवं दर्शकों की भीड़ को देखते हुए यातायात डायवर्शन में आवश्यकता अनुसार परिवर्तन भी किया जा सकता है। आम जनता से यातायात पुलिस का सहयोग करने, परिवर्तित मार्गों का उपयोग करने एवं यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित रहने की अपील की गई है।

सिंहस्थ 2028 के लिए कैलोदहाला रेलवे ओव्हर ब्रिज नींव का पत्थर साबित होगा : मंत्री श्री सिलावट

सांवेर क्षेत्र की 40 कालोनियों और 10 गांवों के एक लाख लोगों को होगा लाभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज कैलोदहाला में 32 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले कैलोदहाला-लसुडियामोरी रेलवे ओव्हर ब्रिज कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि वर्ष 2019 में सांवेरवासियों से मिले आशीर्वाद के बाद से जनवरी 2019 से आज वर्ष 2026 तक इन 7 वर्षों में सांवेर विधानसभा में लगभग 974 करोड रूपये लागत की 906 किलोमीटर की 185 सडकों की स्वीकृति करायी गई है। इसमें लगभग 32 करोड रूपये की लागत से बनने वाला लसुडियामोरी-कैलोदहाला रेलवे ओव्हर ब्रिज भी शामिल है। इस महान उपलब्धि के लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी और लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह जी को धन्यवाद देता हूँ।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण होने पर आसपास की 40 कालोनियों और 10 गांवों के एक लाख लोगों को लाभ होगा। यह ब्रिज 800 मीटर लम्बा और 15 मीटर चौडा होगा, इसका निर्माण एक वर्ष के भीतर किया जायेगा, ताकि इसका लाभ आगामी सिंहस्थ 2028 में क्षेत्रीय लोगों को मिल सके। इस ब्रिज के बन जाने से 10 गांवों, कैलोदहाला, शक्करखेडी, ढाबली, मांगलिया, रामपिपलिया, गारीपिपलिया, भांग्या, जाख्या, जस्सा कराडिया, भानगढ, भवरासला के एक लाख से ज्यादा लोगों को लाभ होगा और सिंहस्थ 2028 के मान से यह रेलवे ओव्हर ब्रिज नींव का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि यह रेलवे ब्रिज के निर्माण के बाद सिंहस्थ 2028 को देखते हुए मांगलिया रेलवे स्टेशन, बरलाई जागीर, पालिया, अजनोद, चन्द्रावतीगंज रेलवे स्टेशनों का उन्नयन होगा, जिसका लाभ सभी को मिलेगा।

इस अवसर पर श्री श्रवणसिंह चावडा, पार्षद श्री सुरेश कुलवाडे, श्री राकेश सोलंकी, श्री पप्पु शर्मा, श्री विपीन जागीरदार, श्री विष्णु चौधरी, श्री यशवंत शर्मा, श्री कैलाश चौहान, श्री विक्रमसिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री रामेश्वर चौहान, सरपंच श्री जितेन्द्र डोडिया, श्री विक्की यादव, श्री बब्लू यादव सहित सैकडों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न, 60 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कौंसिल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, महापौर परिषद के सदस्यगण, अपर आयुक्त, उपायुक्त, विभाग प्रमुख एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में शहर के सर्वांगीण विकास को गति देने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। प्रधानमंत्री आवास योजनाङ्कशहरी 2.0 के प्रथम चरण अंतर्गत लगभग 8 हजार आवासीय इकाइयों के निर्माण हेतु तैयार की गई डीपीआर को शासन को भेजने की अनुमति दी गई। इसके साथ ही 60 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई।

जलप्रदाय एवं सीवरेज से संबंधित अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों के लिए 1530 करोड़ रुपये के ऋण प्रस्ताव को भी बैठक में स्वीकृति मिली। शहर के प्रमुख जल स्रोतों में से एक लिम्बोदी तालाब के विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई, जिससे क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संग्रहण को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में महापौर पास योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को बस पास में दी जा रही छूट की प्रतिपूर्ति हेतु लगभग 3 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई। इसके अतिरिक्त नगर निगम में केमिस्ट, सहायक नगर निवेशक एवं सहायक राजस्व अधिकारी के रिक्त पदों की पूर्ति को भी मंजूरी दी गई।

शहर के सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए मुख्य मार्गों एवं चौराहों पर स्थित रोटरी, जेब्रा लाइन, डिवाइडर, फुटपाथ एवं ग्रीन बेल्ट पर पेंटिंग कार्य कराने की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही शहर की जेंट्री, ओवरब्रिज एवं लॉलीपॉप पर विज्ञापन अधिकार दिए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली।

माननीय न्यायालय के निर्देशों के पालन में स्ट्रीट डॉग के रख-रखाव एवं पालन-पोषण के लिए योजना तैयार करने तथा पशुप्रेमियों, सामाजिक संस्थाओं एवं एनजीओ से प्रस्ताव आमंत्रित करने को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा शहर को चार भागों में विभाजित कर लगभग 11 करोड़ रुपये की लागत से कॉलोनियों से मुख्य मार्गों तक एवं कॉलोनियों के अंदर क्षतिग्रस्त सड़कों पर डामरीकरण, पेंचवर्क एवं रिसर्फेसिंग कार्य कराने की अनुमति दी गई।

बैठक में निरंजनपुर चौराहा से राजीव गांधी चौराहा तक बीआरटीएस मार्ग पर आरआरसी मीडियन सेंट्रल डिवाइडर निर्माण के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मेयर इन कौंसिल की इस बैठक को शहर के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मंदसौर कृषि उपज मंडी की साख पर बार-बार लग रहे बट्टे- संजय मुरड़िया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी मालवा अंचल ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में अपनी पहचान रखने वाली मंदसौर कृषि उपज मंडी, जिसे कठिन और विकट परिस्थितियों में 'आदर्श मंडी' का तमगा मिला था, आज तेजी से अव्यवस्थाओं और बदइंतजामी का केंद्र बनती जा रही है। कभी व्यापारियों में असंतोष, कभी किसानों का आक्रोश, तो कभी हम्मालों से जुड़ा विवाद, लगातार बन रहे हालात यह संकेत दे रहे हैं कि मंडी में कुछ भी सहज या स्वाभाविक नहीं रह गया है। कई घटनाएं परिस्थितिजन्य प्रतीत होती हैं, तो कई प्रायोजित होने का आभास देती हैं। ऐसे हालात कौन बना रहा है, क्यों बन रहे हैं या करवाए जा रहे हैं, यह आज मंडी से जुड़ा सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न बन चुका है।

मंडी प्रशासन की भूमिका पर सवाल - जिला विकास समिति सदस्य, मंडी व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि संजय मुरड़िया ''एसएस'' ने मंडी की स्थिति पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि मंडी की साख गाहे-बगाहे दांव पर लग रही है और इसके लिए मंडी प्रशासन की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। मंडी सचिव और प्रशासनिक तौर पर व्यवस्था देखने वाले अधिकारी मंडी के प्रति समर्पण के बजाय केवल अपनी कुर्सी बचाने में लगे नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि आज मंडी सियासी दबावों और सियासती मोहरों के कॉकस में फंसी दिखाई देती है। नीलामी बंद होने जैसी स्थिति क्यों बनी, यह तो मंडी की थोड़ी सी समझ रखने वाला व्यक्ति भी समझ सकता है, लेकिन जिन्हें समझना चाहिए, वे जानबूझकर पासे फेंकते नजर आ रहे हैं। सवाल यह है कि इस बदनामी से किसका नुकसान हो रहा है और कौन वे हाथ हैं जो इस आग में घी की आहुति देते जा रहे हैं।

उच्चस्तरीय जांच की मांग- संजय मुरड़िया ने मांग की कि मंदसौर कृषि उपज मंडी की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए। मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री और मुख्य सचिव इस पूरे प्रकरण में सीधा हस्तक्षेप करें। मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली और गतिविधियों की समग्र समीक्षा हो।

साझा संचालन समिति का प्रस्ताव- मुरड़िया ने सुझाव दिया कि मंडी के सुचारू और पारदर्शी संचालन के लिए मंडी व्यापारी संघ के साथ मिलकर व्यापारी, किसान और हम्माल प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक स्थायी संचालन समिति (निगरानी) गठित की जाए जिसकी साप्ताहिक समीक्षा बैठक अनिवार्य हो। मुरड़िया ने कहा कि मंदसौर कृषि उपज मंडी केवल एक बाजार नहीं, बल्कि हजारों किसानों, व्यापारियों और श्रमिक परिवारों की आजीविका का केंद्र है। इसकी गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ÷आइए, मंडी को सियासत का अखाड़ा नहीं, किसानों और व्यापार का भरोसेमंद केंद्र बनाएं।

चेतावनी को अनसुना करने का नतीजा- मुरडिया ने कहा कि यह हालात अचानक पैदा नहीं हुए। पिछले 3-4 वर्षों से मंडी में पनपती अव्यवस्थाओं, गुटीय खींचतान और गिरती साख को लेकर पार्टी के वरिष्ठों को मैंने समय-समय पर अवगत भी कराया। लेकिन, किसी ने इसे गंभीरता से लेने की ज़रूरत नहीं समझी। आज वही लापरवाही पहले फुंसी बनी, फिर घाव, और अब नासूर बनने की स्थिति में पहुंच गई है। सवाल यह नहीं कि हालात बिगड़े कैसे, सवाल यह है कि जब चेतावनी दी जा रही थी, तब आंखें क्यों मूंद ली गईं? अगर अब भी इसे राजनीतिक चश्मे से देखा गया, तो नुकसान केवल मंडी का नहीं होगा, किसान, व्यापारी और पूरी व्यवस्था इसकी कीमत चुकाएगी।

अवैध शराब तस्करी में फिर शामगढ़ पुलिस की कार्रवाई, कार से 25 पेटी बियर सहित एक गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय एवं उनकी टीम ने अवैध शराब की धरपकड़ में 4 दिन बाद फिर कार्रवाई की है। मुखबिरी पर एक कार को रोका, जिसकी तलाशी में 25 पेटी बियर मिली। इस कार्रवाई में भी भरी ठंड में बियर के जखीरे के साथ मौके से ड्राइवर को पकड़ने का खुलासा किया गया है। वेन्यू कार से मिली मदिरा 300 बल्क लीटर नापी गई है।

थाना पुलिस के अनुसार टीम ने 16 जनवरी को मुखबीर से प्राप्त सूचना पर टकरावद फन्टे से देवरी रोड पर मगरे के पास घेराबंदी की। यहां से आरोपी सूरत सिंह पिता गोपाल सिंह सौधिया उम्र 28 साल निवासी ग्राम भुण्डिया थाना शामगढ जिला मंदसौर के कब्जे वाली ह्युण्डई कंपनी की वेन्यु कार नंबर एमपी 70 सी 1453 से अवैध अंग्रेजी शराब कुल 300 लीटर जब्त करने में सफलता हासिल की। घटना अनुसार मुखबिर ने बताया था कि एक व्यक्ति अवैध शराब भरकर ग्राम कुरावन-देवरी होते हुए मेलखेडा तरफ जाने वाला है। थाना प्रभारी शामगढ उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय के द्वारा तत्काल उनि रविन्द्र प्रताप डांगी के हमराह टीम गठित कर घेराबंदी की गई थी। कार में पावर 1000 बीयर की 25 पेटी मिली, जिसकी कीमत 72 हजार रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी सूरत सिंह से अवैध शराब के स्त्रोत के संबंध में अनुसंधान जारी है। आरोपी सूरत सिंह पूर्व में भी अवैध शराब की तस्करी में गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसके खिलाफ पूर्व में भी बल्क मात्रा में शामगढ थाने में दो और भानपुरा थाने में एक अवैध शराब तस्करी के प्रकरण पंजीबध्द है। इस सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी शामगढ कपिल सौराष्ट्रीय, उप निरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी, प्रधान आरक्षक घनश्याम भैसानिया, प्रधान आरक्षक ममशाद नूर, आरक्षक श्रीकृष्ण सिकरवार, आरक्षक विशाल सिंह चन्द्रावत एवं टीम का विशेष योगदान रहा।

सीतामऊ में खेलों एम पी यूथ गेम्स संपन्न, करीब 300 छात्रों ने लिया भाग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सीतामऊ अध्यक्ष मनोज शुक्ला के द्वारा खेलो एमपी यूथ गेम्स की शुरुआत की गई। विकासखंड स्तर पर लगभग 300 छात्र छात्राओं ने भाग लिया, जो विभिन्न खेलों में अपना ट्रायल देकर जिला स्तर के लिए चयन करवाया। अपने खेल का उच्च प्रदर्शन कर खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर खेल विभाग के विकासखंड समन्वयक खेल प्रभारी मयूर सिंह, नितेश मकवाना, खेल शिक्षक वीरेंद्र सिंह राठौड़, हिम्मत सिंह चौहान, आदित्य सेठिया, संजय चौहान, हरीश टेलर, सूर्यवीर सिंह चौहान, रौनक जैन उपस्थित रहे। वहीं मध्य प्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त दिशानिर्देशानुसार 28 खेलों का आयोजन राज्यस्तर पर किया जाएगा। इन खेलों की टीम का चयन विकासखण्ड स्तर और जिला स्तर पर होगा। विकासखण्ड पर आयोजित खेलों से चयनित टीमें निम्न खेलों जिसमें बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, मलखम्भ, कुश्ती, जुडो, वेटलिफ्टिंग, बैडमिंटन, लॉन टेनिस, बॉक्सिंग, स्विमिंग, हॉकी, थ्रो बॉल, ताईक्वाँडो के साथ प्रतियोगिता सीधे जिलास्तर पर आयोजित होंगे। जिलास्तर से चयनित खेलों की टीम संभाग और राज्यस्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी, जिलास्तर से चयनित कुछ खेल संभागस्तर और कुछ खेल सीधे राज्यस्तर पर आयोजित होंगे।

महावीर स्वास्थ्य केंद्र दलौदा में लगेंगी 5 अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें, नाममात्र की राशि लगेगी

रोटरी क्लब मंदसौर द्वारा रोटरी ग्लोबल ग्रांट से दलौदा को बड़ी सौगात

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब मंदसौर को रोटरी इंटरनेशनल की प्रतिष्ठित ग्लोबल ग्रांट परियोजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। इस परियोजना के तहत महावीर स्वास्थ्य केंद्र, दलोदा में 5 अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें स्थापित की जाएंगी। लगभग 50 लाख रुपये लागत की इस परियोजना से मंदसौर एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों के गरीब व जरूरतमंद किडनी रोगियों को कम शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद आसपास के क्षेत्र के मरीजों को डायलिसिस के लिये बड़े शहरों या महंगे निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे उनका समय, धन और मानसिक तनाव तीनों की बचत होगी।

किडनी मरीजों के लिए वरदान बनेगी परियोजना, डायलिसिस की लागत होगी नाममात्र। यह रोटरी क्लब मंदसौर के पचास वर्षीय कार्यकाल में मिलने वाला अभी तक का सबसे बड़ा ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट है।

रोटरी क्लब मंदसौर के अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी एवं सचिव कपिल भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में एक डायलिसिस सत्र की लागत निजी अस्पतालों में 2,500 से 3,000 रुपये तक होती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों व आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए अत्यंत कठिन है।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से डायलिसिस सेवा नाममात्र के शुल्क पर उपलब्ध होगी, जिससे सैकड़ों मरीजों को नियमित और सुरक्षित उपचार मिल सकेगा।

अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी ने कहा, ÷यह परियोजना न केवल जीवन रक्षक है, बल्कि ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।÷ टीमवर्क और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संभव हुई उपलब्धि ग्लोबल ग्रांटरू रोटरी की सबसे बड़ी सेवा। इस महत्वपूर्ण परियोजना को साकार करने में रोटरी के वरिष्ठ सदस्य रोटे राजेश संचेती एवं सहायक मंडलाध्यक्ष रोटे संजय गोठी का भी विशेष योगदान रहा।

सचिव रोटे कपिल भंडारी ने परियोजना का पूरा प्रस्ताव तैयार करने, स्थानीय दानदाताओं से समन्वय तथा आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया, वही रोटे. राजेश संचेती ने महावीर स्वास्थ्य केंद्र, दलौदा पर इन मशीनों के लिए आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। रोटे संजय गोठी ने रोटरी के अंतरराष्ट्रीय क्लबों से समन्वय स्थापित करने, नीड असेसमेंट करने एवं रोटरी मंडल अध्यक्ष सुशील मल्होत्रा व रूबी मल्होत्रा के माध्यम से मंडल स्तर पर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। रोटरी इंटरनेशनल का ग्लोबल ग्रांट, द रोटरी फाउंडेशन की सबसे बड़ी और प्रभावी योजना है, जिसके तहत न्यूनतम 30,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 25-30 लाख रुपये) से अधिक की टिकाऊ सामाजिक परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी जाती है। यह ग्रांट रोग निवारण एवं उपचार, स्वच्छ जल, शिक्षा, सामुदायिक विकास, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं शांति निर्माण जैसे छह प्रमुख सेवा क्षेत्रों में प्रदान की जाती है। इसमें परियोजना का 40 प्रतिशत अंशदान रोटरी क्लब, मंदसौर का होगा एवं 60 प्रतिशत अंशदान रोटरी ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से प्राप्त होता है। रोटरी क्लब मंदसौर का 40 प्रतिशत अंशदान रोटे. डॉ राजीव चौधरी, इंदौर व आनंदीलाल जी दुग्गड परिवार मंदसौर के माध्यम से क्लब को प्राप्त हुआ है। भारत में किडनी रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में डायलिसिस सुविधाएं अत्यंत सीमित हैं। इस परियोजना से महावीर स्वास्थ्य केंद्र, दलोदा एक आत्मनिर्भर ग्रामीण डायलिसिस केंद्र के रूप में विकसित होगा। सचिव रोटे कपिल भंडारी ने नगर के समाजसेवियों एवं जागरूक नागरिकों से रोटरी फाउंडेशन में ज्यादा से ज्यादा सहयोग कर ऐसी जीवनदायी परियोजनाओं का हिस्सा बनने का आह्वान किया है।

कलेक्टर ने मनासा का भ्रमण कर बच्चों की उपचार व्यवस्था का जायजा लिया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को सुबह मनासा के वार्ड नम्बर 15 रामनगर का भ्रमण कर, रहवासियों से चर्चा की। उन्होने रामनगर वार्ड नम्बर 15 में निवासरत बीमार बालिका सिद्धी पिता कमल बडोदिया के घर जाकर परिजनों से चर्चा की और शुद्ध पेयजल आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने बालिका सिद्धी की उपचार व्यवस्था के बारे में पूछा। बालिका सिद्धी के परिजनों ने बताया, कि सिद्धी को पैरो में दर्द की शिकायत थी, जो उपचार के बाद अब काफी ठीक हो गई है। कलेक्टर ने इसी मोहल्ले में उपचारत बालक यथार्थ पिता दिनेश नायक के घर जाकर, यथार्थ के परिजनों से चर्चा कर कुशलक्षेम पूछी और यथार्थ की उपचार व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि अब यथार्थ की तबीयत में काफी सुधार है। रहवाससियों ने चर्चा में बताया, कि रामनगर मोहल्ले में सिद्धी यथार्थ उपचाररत है, जबकि मोहल्ले के निवासी अन्य लोग और यथार्थ व सिद्धी के घर में भी सभी सदस्य पूरी तरह स्वस्थ है। इस भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे बीमार बच्चों के घर जा रही नल जल पाईपलाईन की अच्छी तरह से जांच करवाए। यह सुनिश्चित करें, कि कही कोई लाईन में लिकेज से नही है, यदि लीकेज पाया जाता है, तो उसे तुरंत ठीक करवाएं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मनासा के वार्ड नम्बर 15 रामनगर की विभिन्न गलियों का भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था, जल स्त्रोतो के शुद्धिकरण कार्य और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया।

मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगभग 250 सड़कों का हुआ निर्माण : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने ग्राम चावली में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत 3 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले बोरखेड़ी से बाबूखेड़ा व्हाया चावली सड़क मार्ग का विधिवत भूमिपूजन किया। ग्राम आक्या बीका गोशाला परिसर में कुल 9 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली तीन सड़कों का भूमिपूजन किया। इनमें 3 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से खेड़ा से टकरावद सड़क, 3 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत से आक्या बीका से मगराना सड़क तथा 2 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से ढाणी से भेरूजी सड़क का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिला अधिकारी, विकास खंड अधिकारी, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदेश में सड़कों का चहुंमुखी विकास किया गया है। इसी क्रम में मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में लगभग 250 सड़कों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आगामी एक वर्ष में मल्हारगढ़ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के माध्यम से हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाया जाएगा, जिससे किसानों को बिजली की समस्या से राहत मिलेगी और सीधे चंबल नदी का पानी खेतों तक उपलब्ध होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि नदियों को आपस में जोड़ा जाए, ताकि कोई भी क्षेत्र सूखे से प्रभावित न रहे और प्राकृतिक बाढ़ पर नियंत्रण किया जा सके। आज देशभर में नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड सभी वर्गों के पात्र नागरिकों के बनाए गए हैं, इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी सभी पात्र किसानों को मिल रहा है। साथ ही सरकार द्वारा गरीबों को आवास उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है।

जी.बी.एस. बीमारी से डरे नही, लक्षणों के प्रति जागरूक रहें - श्री चन्द्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा ने स्वास्थ्य एडवाईजरी जारी करते हुए बताया, कि विगत कुछ दिनो से जिले के मनासा क्षेत्र में जी.बी.एस. (गिलीयन बार्रे सिंड्रोम) के लक्षणों वाले कुछ मरीज संज्ञान में आने के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के दल द्वारा घर-घर जाकर लक्षणों वाले बच्चों एवं व?यस्कों को चिन्हि?त किया जाकर, उनका समुचित उपचार किया जा रहा है। कलेक?टर ने कहा, कि जिले के मनासा क्षेत्र में कुछ बच?चों में बुखार के साथ मांसपेशियों में कमजोरी की जानकारी एवं सूचना मिली थी, सूचना के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग, मेडिकल कालेज एवं महिला बाल विकास विभाग का संयुक्त दल गठित कर मनासा नगर में घर-घर सर्वे करवाया जा रहा है। सर्वे में जिन बच्चों या व्यस्क में लक्षण मिले है, उनका सैंपल लिया जा रहा है तथा स्थानीय उपचार प्रदान किया जा रहा है, आवश?यकता होने पर रैफर भी किया जावेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.के.खद्योत ने बताया, कि जी.बी.एस. सिंड्रोम एक ऑटो इम्युन बीमारी है, जो अक्सर वायरल बुखार के साथ आ सकती है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपनी ही नसों पर हमला करती है और व्यक्ति के शरीर की मांसपेशियों में कमजोरी आने लगती है। साथ ही अचानक कमजोरी आना, हाथ, पैरों में सून्नपन होना, चलने में या सीढियां चढंने में परेशानी होना, बोलने या निगलने में, सांस लेने में तकलीफ होना भी इस बीमारी के लक्षण हो सकते है। डॉ.खद्योत ने आमजन से अपील की है, कि यह बिमारी संक्रामक नहीं है अर्थात एक व्यक्ति से दुसरे व्यक्ति में नहीं फैलती है, इसलिये व्यक्ति की देखभाल करने में कोई समस्या नही है।

सिंगोली में दो दिवसीय सुर-संगीत प्रतियोगिता का आयोजन

स्थानीय कलाकारों को उभरने का सुनहरा मौका

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में स्थानीय संगीत प्रेमियों के लिए और कलाकारों को उभरने का अवसर लेकर आया है सुर संगीत कार्यक्रम मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 17 एवं 18 जनवरी दो दिवसीय यह कार्यक्रम गौतमालय भवन परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि स्थानीय कलाकारों को गीत संगीत की कला में उभरने का यह सुनहरा अवसर है। कार्यक्रम दो दिन चलेगा और सिर्फ स्थानीय कलाकारों को ही इसमें मौका मिलेगा सुर संगीत कार्यक्रम सांयकाल शुरू होगा जिसमें भाग लेने वाले कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे आयोजकों द्वारा तीन जज इस कार्यक्रम में चयन करने के लिए रखे हैं। जो अपना काम कलाकार की कला के हिसाब से अंक देकर करेंगे दुसरे दिन तीन राउंड के बाद फाइनल राउंड होगा जिसमें प्रथम तीन स्थानों पर रहने वाले कलाकारों को बंधन एल्बम मे गाने मोका दिया जाएगा।

स्वास्थ्य टीमें मनासा में घर-घर स्क्रीनिंग का दूसरा राउंड भी पूरा करें-संभाग आयुक्त श्री सिंह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग उज्जैन के कमिश्नर श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के भ्रमण द्वारा मनासा में जीबी एस संभावित मरीजों की घर-घर सर्वे कर स्क्रीनिंग कार्य की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आरके खद्योत, एसडीएम सुश्री किरण आंजना व अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

जनपद सभा कक्ष मनासा मैं शुक्रवार की शाम को सभी 15 वार्डों की घर-घर स्क्रीनिंग के कार्य में लगी स्वास्थ्य टीमों के सदस्यों से चर्चा कर कमिश्नर ने अब तक किए गए सर्वे कार्य की प्रगति और संदिग्ध जीबीएस मरीज की संख्या और सर्दी खांसी सामान्य बुखार के मरीजों की संख्या की जानकारी ली। बैठक में सर्व टीमों ने बताया कि जीबी एस का कोई भी संदिग्ध रोगी नहीं पाया गया है। सामान्य सर्दी खांसी जुकाम के कुछ मरिज स्क्रीनिंग में मिले हैं जिनको उपचार करवाने की सलाह दी गई है।

कमिश्नर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सभी सभी सर्वे टीम ने पहले चरण का सर्वेक्षण कार्य एवं स्क्रीनिंग कार्य लगभग पूरा कर लिया है। प्रथम चरण का स्क्रीनिंग कार्य पूर्ण होने के बाद सभी टीम में स्क्रीनिंग का दूसरा राउंड प्रारंभ करें। सभी टीम में अपने-अपने वार्डों में सतत निगरानी रखें और सर्दी खांसी बुखार जैसे सामान्य मरीजों और उनके परिजनों को त्वरित उपचार लेने हेतु प्रेरित करें।

संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए कि जीबीएस के संदिग्ध मरीज जो अन्य जिलों में भर्ती होकर उपचारित है उनका सतत फालों अप बीएमओ और तहसीलदार संयुक्त रूप से कॉल कर रोजाना ले।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी स्क्रीनिंग टीमों को निर्देशित किया कि वे घर-घर स्क्रीनिंग के दौरान नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपयोग करने के लिए प्रेरित करें और यदि कोई सामान्य बुखार सर्दी खांसी से पीड़ित है तो उसे तत्काल नजदीकी चिकित्सा संस्था में दिखाकर उपचार लेने हेतु समझाइश दे।। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर खद्योत ने स्क्रीनिंग टीमों को स्क्रीनिंग कार्य करने और निर्धारित प्रपत्र की पूर्ति करने करने के बारे में विस्तार से समझाइश दी।

सिंहस्थ प्रोजेक्ट के विभिन्न निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करवाए- श्री मुख्य सचिव श्री जैन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने शुक्रवार को वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएम प्रगति के विकास प्रोजेक्ट एवं सिहंस्थ विकास कार्यो के प्रोजेक्ट की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। नीमच के एनआईसी कक्ष में इस वी.सी. में संभागायुक्त उज्जैन श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा भी मौजूद थे। मुख्य सचिव श्री जैन ने वीडियों कांफ्रेसिंग में छोटा उदयपुर धार रेल लाइन प्रोजेक्ट इंदौर बुधनी न्यू लाईन, प्रोजेक्ट सिंहस्थ के प्रोजेक्ट की विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिए, कि सिहस्थ से पहले इंदौर ,बुधनी न्यू लाइन प्रोजेक्ट और छोटा उदयपुर धार रेल्वे लाईन के प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो जाए, इसमें कोई दिक्कत ना आए। मुख्य सचिव ने विभिन्न स्वीकृत प्रोजेक्ट के कार्यो में भू अर्जन मुआवजा राशि का प्राथमिकता से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित जिलों के कलेक्टरों को दिए है। वी.सी.में मुख्य सचिव ने सिंहस्थ प्रोजेक्ट रतलाम महू खण्डवा, अकोला रेल्वे लाईन, इटारसी नागपुर 3 रेल्वे लाईन मलानखण्ड कापर प्रोजेक्ट, दिल्ली मुम्बई इडस्ट्रीयल कोरीडोर प्रोजेक्ट-3 उज्जैन जावरा ग्रीन फील्ड 4 लेन निर्माण, उज्जैन मक्सी 4 लेन निर्माण, इगोरिया उन्हेल टू लेन रोड निर्माण, हिगोरिया देपालपुरा टू-लेन निर्माण, इंदौर उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन निर्माण कार्य सहित उज्जैन सिहंस्थ बायपास पलेन निर्माण हरि फाटक 4 लेन आरओं की निर्माण, बडवाह, धामनौद, 4 लेन निर्माण सहित उज्जैन में निर्माणाधीन सीवरेज प्रोजेक्ट वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट आदि निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की।

मंदसौर कृषि उपज मंडी विवादः किसानों के हितों की रक्षा जरूरी-धीरज पाटीदार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर कृषि उपज मंडी में चल रहे विवाद को लकर सभी चिंतित हैं। यह विवाद दो संगठनों का नहीं, बल्कि दो व्यक्तियों का निजी विवाद है, जिसे संगठन के नाम पर तूल दिया जा रहा है। हम मंडी प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि इस विवाद को दो व्यक्तियों का विवाद मानकर कानून के दायरे में कार्रवाई करें। उक्त बात कहते हुए भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार ने बताया कि व्यापारी संगठन और हम्माल संगठन के नेताओं से हम अपील करते हैं कि वे अपने व्यावसायिक हितों की रक्षा के साथ-साथ किसानों के हितों की भी रक्षा करें। मंदसौर शहर के लिए कृषि उपज मंडी एक आर्थिक संरक्षण है, और ऐसे छोटे विषय के लिए पूरे जिले के किसानों को अपने उपज बेचने से रोकना अपराध की श्रेणी में आता है।

सम्पादकीय

मीडिया और लोकतंत्र के बेहतर संतुलन से समाज को नई दिशा

मीडिया का भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका हैद्य लोकतांत्रिक समाज में मीडिया की भूमिका केवल सूचना पहुँचाने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह समाज की चेतना को दिशा देने, सत्ता को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा करने और जनमानस के विवेक को जाग्रत रखने का दायित्व भी निभाता है। मीडिया वस्तुतः वह आईना है, जिसमें समाज स्वयं को देखता है और सरकार अपनी छवि पहचानती है। इसीलिए मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है, जो विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका इन तीनों स्तंभों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखता है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मीडिया की भूमिका ऐतिहासिक रही है। राष्ट्रवादी चेतना के निर्माण में अखबारों और पत्रिकाओं ने जो भूमिका निभाई, वह किसी भी राजनीतिक आंदोलन से कम नहीं थी। इसी परंपरा के संवाहक, स्वतंत्रता सेनानी और महान पत्रकार स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी ने 'कर्मवीर' के पुनः प्रकाशन (1925) के अवसर पर जो आत्मसंयम और नैतिकता की बात कही थी।वह आज के मीडिया परिदृश्य में और भी अधिक प्रासंगिक हो उठती है। उन्होंने लिखा था कि ÷प्रभु करें, इस सेवा में मुझे अपने दोषों का पता रहे और आडंबर, अभियान और आकर्षण मुझे पथ से भटका न पाए।÷ यह वाक्य आज के मीडिया के लिए नैतिक उद्घोषणा की तरह है।

पिछले दो तीन दशकों में मीडिया के स्वरूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रिंट मीडिया से आगे बढ़कर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फिर डिजिटल और सोशल मीडिया तक की यात्रा ने सूचना को अत्यंत सुलभ बना दिया है। टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे मंच आज गाँवङ्कगाँव तक अपनी पहुँच बना चुके हैं। परिणामस्वरूप समाज के रहनङ्कसहन, भाषा, व्यवहार, सोच और जीवनशैली पर मीडिया का गहरा प्रभाव पड़ा है। विशेषकर युवा वर्ग, महिलाएँ और बच्चे इस प्रभाव के सबसे संवेदनशील केंद्र बन गए हैं।

मीडिया की शक्ति का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि वह जनमत का निर्माण करने में सक्षम है। जनमत के निर्माण से ही समाज में परिवर्तन की प्रक्रिया प्रारंभ होती है चाहे वह जनक्रांति हो या लोकतांत्रिक सुधार। इतिहास गवाह है कि मीडिया के दबाव और खुलासों के कारण कई देशों में सरकारें बदलीं और सत्ता के समीकरण उलट गए। भारत में भी चारा घोटाला, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, मैच फिक्सिंग जैसे अनेक मामलों में मीडिया ने भ्रष्टाचार के पर्दे हटाकर सत्ता को जवाबदेह बनाया।

यूरोप के प्रसिद्ध पत्रकार जिम मॉरिसन का कथन–÷जनसंचार माध्यमों पर नियंत्रण करना बुद्धि पर नियंत्रण करना है÷ मीडिया की शक्ति को रेखांकित करता है। इसी तरह नेपोलियन बोनापार्ट का यह कथन भी ऐतिहासिक है कि ÷मैं लाखों संगीनों की अपेक्षा तीन विरोधी समाचार पत्रों से अधिक डरता हूँ।÷ ये वक्तव्य सिद्ध करते हैं कि मीडिया केवल सूचना नहीं, बल्कि सत्ता का संतुलन है। परंतु आधुनिक मीडिया का दूसरा पक्ष भी उतना ही चिंताजनक है। ग्लैमर, टीआरपी की होड़, सनसनी और पीत पत्रकारिता ने मीडिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। पेड न्यूज़, विज्ञापन आधारित कंटेंट और कॉर्पोरेट स्वामित्व ने मीडिया को कई बार जनहित से दूर कर दिया है। आज भारत के अधिकांश बड़े मीडिया संस्थानों का स्वामित्व बड़े औद्योगिक घरानों के हाथ में है, जिनके व्यावसायिक हित कई बार निष्पक्ष पत्रकारिता के मार्ग में बाधा बनते हैं।

सरकारें भी मीडिया प्रबंधन पर भारी धनराशि खर्च कर अपनी छवि गढ़ने का प्रयास करती हैं। विज्ञापन, सरकारी प्रचार और सूचना नियंत्रण के माध्यम से मीडिया को प्रभावित करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। दूसरी ओर, मीडिया संस्थानों की आर्थिक मजबूरियाँ भी वास्तविक हैं–क्योंकि मीडिया चलाना अत्यधिक पूंजी, तकनीक और मानव संसाधन की माँग करता है। ऐसे में व्यावसायिक दबाव और नैतिक दायित्व के बीच संतुलन बनाना मीडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

इसके बावजूद, मीडिया का दायित्व समाप्त नहीं होता। लोकतंत्र में निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार मीडिया ही जनता का वास्तविक मार्गदर्शक बन सकता है। मीडिया का कार्य केवल मनोरंजन या सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करना है। चुनाव के समय तो मीडिया की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि वही जनता को नीतियों, विचारधाराओं और नैतिक मूल्यों से अवगत कराता है।

भारतीय आध्यात्म के विज्ञान को समझें सहजयोग से

जब हम किसी का स्पर्श करते हैं तब उंगलियों के पोर ही सर्वप्रथम स्पर्श का आभास पाते हैं। कई बार किसी का स्पर्श करते ही हमें नकारात्मकता का बोध होता है और हम तत्काल हाथ पीछे खींच लेते है। जब हम सहज योग से जुड़ते हैं और आत्मसाक्षात्कार पाते हैं तब विद्युत के प्रवाह सा, पर शीतल चैतन्य हमारे संपूर्ण शरीर में प्रवाहित होने लगता है और उंगलियों के अग्रभाग पर यह सर्वाधिक केंद्रित होता है।

हथेली सदैव हमारी संवेदनाओं की वाहक रही है। जब भी हम किसी को तसल्ली देना चाहते हैं, आश्वस्त करना चाहते हैं तब हमारी हथेली स्वयंमेव उनके कंधे या हाथों का स्पर्श कर हमारी संवेदना उनतक पहुंचाने का प्रयास करती है। धन्वंतरि जी जिन्होंने चिकित्सातत्त्वविज्ञानतन्त्र की रचना की थी, उन्हें संपूर्ण विश्व जानता और मानता है, वे संक्रमण रोग से बाधित व्यक्ति में अपने उंगलियों के पोर से विद्युत सम अपनी आंतरिक ऊर्जा प्रवाहित कर उन्हें रोग मुक्त कर दिया करते थे।

कालांतर में स्पर्श चिकित्सा भी विकसित हुई थी। कई गुरु अपने स्पर्श से मरीजों को निरोगी बना देते थे। आज कलियुग में सामान्य मानव भी बड़ी सहजता से उंगलियों के पोर पर चैतन्य की अनुभूति पा लेता है और अपने स्वयं के अंदर या किसी और व्यक्ति के अंदर समस्या कहां है इसे चैतन्य के माध्यम से जान पाता है। इस ईश्वरीय ऊर्जा की अनुभूति पाने के लिए हमें अपनी ही आत्मा से जुड़ना होगा। हमारी आत्मा हमारे अंदर है, पर हम सदैव उससे जुड़े हुये नहीं होते हैं। अपनी आत्मा से जुड़ने के लिए हमारे अंदर शुद्ध इच्छा होनी चाहिए और अपनी बुद्धि और अहंकार से परे होते हुये हमें परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहज योग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार लेकर रोज कुछ देर ध्यानरत रहने का अभ्यास करना होगा।

हमारे अंदर स्थित सूक्ष्म शरीर की नाड़ियाँ हमारी हथेली व उंगलियों से जुड़ी हुई हैं। जब सहज योग की पद्धति से हम ध्यान करते हैं तब चैतन्य प्रवाह शीतल व निर्बाध होता है। पर यदि हमारे अंदर कहीं अस्वस्थता हो या कोई बाधा हो तो जिस जगह समस्या है वहां स्थित चक्र से हमारी संबंधित उंगली में गर्म चैतन्य या चुभन का आभास होता है ऐसे में हम उस चक्र पर कुछ देर ज्यादा ध्यान कर अपनी समस्या से निजात पाते हैं।

दूसरों को भी यदि आवश्यकता हो तो सहज योगी अपनी हथेली के माध्यम से उन्हें चैतन्य देते हैं ताकि उनके अंदर यदि कहीं कुछ नकारात्मक हो तो उसे दूर कर सके। तब भी संबंधित व्यक्ति के अंतर्स्थिति का आभास उंगलियों के पोर पर हो जाता है। इस घोर कलियुग में इस ईश्वरीय अनुभूति को समझना अद्भुत संयोग ही होगा। हर व्यक्ति को इसे पाने का अधिकार है। पेड़ पौधे, पशु पक्षी व अपने आसपास के पर्यावरण को भी चैतन्य से सुरक्षित कर सकते हैं। तो चलिए इस अद्भुत ज्ञान को जिसे आध्यात्म का विज्ञान भी कहते हैं से जुड़ें और अपनी अंतरआत्मा से जुड़कर हम अपनी हथेलियों पर अपने संपूर्ण शरीर की स्थिति को समझें और अपने चिकित्सक स्वयं बनें।

ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी अब हकीकत बन चुकी हैः यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (सीउएस) द्वारा जलवायु परिवर्तन को लेकर आई हालिया रिपोर्ट में गंभीर चेतावनी

धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसके दुष्परिणाम अब पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इसी क्रम में यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (सी3एस) ने 14 जनवरी 2026 को जलवायु परिवर्तन को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, यह इतिहास में पहली बार हुआ है जब लगातार तीन वर्षों-2023, 2024 और 2025 के दौरान वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। वर्ष 2025 रिकॉर्ड में तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, जो वर्ष 2023 से 0.01 डिग्री सेल्सियस और 2024 से 0.13 डिग्री सेल्सियस ठंडा था। गौरतलब है कि वर्ष 2024 सबसे गर्म और वर्ष 2023 दूसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, जबकि पिछले 11 वर्ष अब तक के सबसे गर्म वर्षों की सूची में शामिल हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2025 में अंटार्कटिका ने अब तक का सबसे गर्म साल दर्ज किया, जबकि आर्कटिक क्षेत्र दूसरे स्थान पर रहा। तापमान में इस असामान्य वृद्धि के कारण दुनिया भर में भीषण तबाही देखने को मिली। भारत और पाकिस्तान में मानसूनी बारिश और बाढ़ से एक हजार से अधिक लोगों की जान गई। वैज्ञानिकों ने इस गर्मी के लिए दो प्रमुख कारण बताए हैं–पहला, ग्रीनहाउस गैसों जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प, ओजोन और फ्लोरोन युक्त गैसों का लगातार बढ़ता उत्सर्जन, और दूसरा, अल-नीनो की सक्रियता के साथ महासागरों की सतह का रिकॉर्ड स्तर तक गर्म होना।

अल-नीनो एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जिसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से का समुद्री सतही तापमान सामान्य से अधिक बढ़ जाता है, जिससे वैश्विक मौसम प्रणाली प्रभावित होती है। भारत में अल-नीनो के दौरान मानसून कमजोर पड़ सकता है, जिससे कम वर्षा, सूखा और अत्यधिक गर्मी की स्थिति बनती है, जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में भारी वर्षा और बाढ़ जैसी आपदाएँ देखने को मिलती हैं।

धरती के बढ़ते तापमान का ताज़ा उदाहरण उत्तराखंड का ओम पर्वत है, जो आमतौर पर जनवरी महीने में मोटी बर्फ की चादर से ढका रहता है। वर्ष 2026 में, लगभग 15,700 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह पवित्र पर्वत शीतकाल के बीचों-बीच भी लगभग बर्फविहीन नजर आ रहा है। ऊँचे हिमालयी क्षेत्रों में पर्याप्त बर्फबारी न होने के कारण पर्वत का निचला और मध्य हिस्सा काला दिखाई दे रहा है। पहले अगस्त-सितंबर में बर्फ का न होना असामान्य माना जाता था, लेकिन अब जनवरी में भी यही स्थिति सामने आना जलवायु परिवर्तन की गंभीर चेतावनी है।

वर्ष 2025 में बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण पृथ्वी पर भारी तबाही देखी गई। औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में औसत वैश्विक तापमान लगभग 1.47 से 1.48 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जिससे यह वर्ष अब तक का तीसरा सबसे गर्म साल बन गया। इसके परिणामस्वरूप हीटवेव, बाढ़, तूफान और सूखे जैसी आपदाओं से वैश्विक आर्थिक नुकसान 120 बिलियन डॉलर से अधिक पहुँच गया। अकेले कैलिफ़ोर्निया की जंगल की आग से लगभग 60 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ और 400 से अधिक लोगों की जान चली गई।

एशिया में भारत और पाकिस्तान की बाढ़ ने लगभग 1,860 से अधिक लोगों की मौतें दर्ज कीं और करीब 5.6 बिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ, जबकि पाकिस्तान में 70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। एक प्रतिष्ठित पत्रिका के अनुसार, भारत में 2025 के पहले 11 महीनों में 334 में से 331 दिनों पर कहीं न कहीं चरम मौसम की घटनाएँ दर्ज की गईं। इन घटनाओं में लगभग 4,419 लोगों की मौत हुई, 1.74 करोड़ हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई और 1.81 लाख से अधिक घरों को नुकसान पहुँचा।

भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में ग्लोबल वार्मिंग का असर और भी तेज़ी से दिखाई दे रहा है। हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में तापमान वृद्धि की दर वैश्विक औसत से अधिक है, जिसके कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, लद्दाख के ज़ांस्कर क्षेत्र में स्थित डुरुंग-द्रुंग ग्लेशियर 2015 से 2023 के बीच लगभग 165 मीटर पीछे हट चुका है। डाउन टू अर्थ पत्रिका के अनुसार, हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियर 2011 से 2020 के दौरान पिछले दशक की तुलना में 65 प्रतिशत तेज़ी से सिकुड़े हैं, और यदि तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ता है तो सदी के अंत तक लगभग 45 से 50 प्रतिशत बर्फ समाप्त हो सकती है।

ग्लेशियर और बर्फ पहाड़ों में जल का प्राकृतिक भंडार होते हैं। सर्दियों की बर्फ धीरे-धीरे पिघलकर साल भर नदियों को पानी देती है, लेकिन बढ़ते तापमान के कारण अब बर्फ कम गिर रही है और जल्दी पिघल भी रही है। बर्फ की जगह बारिश हो रही है, जो तुरंत बह जाती है, जिससे बारिश और बर्फ का संतुलन बिगड़ रहा है। डाउन टू अर्थ के अनुसार, वर्ष 2100 तक सर्दियों में बर्फबारी लगभग 25.8 प्रतिशत और वसंत में लगभग 54.1 प्रतिशत तक कम हो सकती है, जिससे भविष्य में जल संकट, सूखा और अचानक बाढ़ जैसी समस्याएँ और गंभीर होंगी।

हिमालयी ग्लेशियरों से निकलने वाला पानी गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी प्रमुख नदियों का आधार है। बर्फ में कमी का सीधा अर्थ है गर्मियों में नदियों में कम पानी, गिरता भूजल स्तर और कृषि पर बढ़ता संकट। आज उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में जलस्रोत सूख रहे हैं, जिससे गाँवों का परित्याग, कृषि संकट और आजीविका पर खतरा बढ़ रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव अब केवल पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा है। भारत के मैदानी, तटीय और शहरी इलाकों में भी इसके दुष्परिणाम स्पष्ट हैं। वर्ष 2025 में देशभर में 270 से अधिक दिनों तक चरम मौसम की घटनाएँ दर्ज की गईं। फरवरी 2025 पिछले 124 वर्षों में सबसे गर्म महीना रहा, जबकि गर्मी के मौसम में भारत-पाकिस्तान क्षेत्र में कई स्थानों पर तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया। एक अध्ययन के अनुसार, भारत के 85 प्रतिशत से अधिक जिले अब बाढ़, सूखा और चक्रवात जैसी चरम जलवायु घटनाओं के जोखिम में हैं।

इन लगातार बढ़ते प्रभावों के चलते ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स-2026 में भारत को दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में नौवाँ स्थान मिला है। संक्षेप में, यह स्पष्ट है कि ग्लोबल वार्मिंग अब केवल तापमान वृद्धि तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह मानव जीवन, कृषि, जल संसाधन, बुनियादी ढाँचे और अर्थव्यवस्था पर गहरा और विनाशकारी प्रभाव डाल रही है। वर्ष 2025 इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संकट भविष्य में और अधिक भयावह रूप ले सकता है।

–सुनील कुमार महला

स्मृति में वेद, हृदय में ज्योतिष, भारत का बाल ऋषि अरिपिराला योगानंद शास्त्री

जरा कल्पना कीजिए एक ग्यारह साल का बच्चा, जिसके हाथ में स्कूल बैग की जगह पंचांग है, कंधे पर जनेऊ है, और मुंह से निकलते हैं संस्कृत के कठिन सूत्र जो सैकड़ों पंडितों के लिए भी दुर्बोध हैं। वह बच्चा जब यज्ञ-वेदी पर खड़ा होता है, तो अग्नि भी जैसे श्रद्धा से झुक जाती है। यह कोई पौराणिक कथा नहीं, यह आज के भारत की सच्ची घटना है। नाम है अरिपिराला योगानंद शास्त्री। लोग उन्हें प्यार से डॉ. योगानंद कहते हैं, और यह डॉक्टर कोई खिलौना उपाधि नहीं दो मानद डॉक्टरेट धारक हैं ये बाल-ब्रह्मर्षि।

आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में जब यह बालक जन्मा, तो घर में जैसे कोई प्राचीन ऋषि फिर लौट आया हो। पिता डॉ. अरिपिराला कल्याण शास्त्री बताते हैं-पांच साल की उम्र में योगानंद ने मुझसे पहला सवाल पूछा था,'पिताजी, लग्नेश अगर नीच का हो तो क्या उपाय है?' मैंने हंसकर टाल दिया। दूसरे दिन उसने खुद 'फलदीपिका' खोलकर उपाय बता दिया। तब से लेकर आज तक, योगानंद ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। स्कूल में गणित की कॉपी में जहां बच्चे 2+2 लिखते हैं, वहां योगानंद दशम भाव में गुरु-चांडाल योग की व्याख्या लिखते हैं। खैर यह एक ऐसी बाल प्रतिभा हैं जिन्होंने मात्र 10-11 वर्ष की आयु में ज्योतिष, वास्तु शास्त्र और वैदिक कर्मकांडों में अपनी अद्भुत क्षमता से दुनिया को चकित कर दिया है। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का निवासी यह बालक न केवल कुंडली पढ़ता हैं, बल्कि यज्ञ और अन्य वैदिक अनुष्ठानों का भी निरीक्षण करता हैं। यह बालक न केवल प्रतिभा की मिसाल है, बल्कि यह दर्शाता है कि उम्र उसके लिए केवल एक संख्या है। अरिपिराला योगानंद शास्त्री का जन्म आंध्र प्रदेश के गुंटूर में एक सामान्य परिवार में हुआ। उनके पिता, डॉ. अरिपिराला कल्याण शास्त्री, एक सम्मानित व्यक्ति हैं जिन्होंने योगानंद की प्रतिभा को पहचाना और उसे निखारने में सहयोग किया। मात्र पांच वर्ष की आयु में योगानंद ने कुंडली के आधार पर भविष्यवाणी की जटिलताओं में रुचि दिखाई। उनके पिता के अनुसार, योगानंद ने बचपन से ही ज्योतिष के रहस्यों को समझने की कोशिश की। वह घंटों पुराने ग्रंथों को पढ़ते और सवाल पूछते। यह रुचि धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई कि योगानंद ने न केवल ज्योतिष सीखा, बल्कि वास्तु शास्त्र और वैदिक यज्ञों में भी महारथ हासिल कर ली। स्कूली शिक्षा के साथ-साथ, योगानंद ने अपनी पढ़ाई में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा पांच के छात्र होने के बावजूद, वे ज्योतिषीय गणनाओं और वैदिक मंत्रों का सटीक उच्चारण करते हैं, जो वयस्कों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है।

योगानंद शास्त्री की प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। 2022 में, मात्र 10 वर्ष की आयु में, उन्हें दो मानद डॉक्टरेट डिग्रियां प्रदान की गई, एक ज्योतिष में और दूसरी वास्तु शास्त्र में।

–स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

दलहन उत्पादन बढ़ाने की इच्छा कमः प्रतिस्पर्धी फसलों के मुकाबले कमजोर मुनाफा

दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना दशकों से एक काफी चर्चित मगर पहुंच से दूर लक्ष्य रहा है। दलहन फसलें देश में लोगों के लिए प्रोटीन का प्रमुख स्रोत हैं। लेकिन दलहन की जरूरत एवं मांग पूरी करने के लिए आयात पर निर्भरता कम होने के बजाय बढ़ती ही जा रही है। मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर पाटने या इसे कम से कम कम रखने के अथक प्रयास हुए हैं किंतु हालात नहीं सुधरे हैं। हाल के वर्षों में तो दलहन का आयात इस कदर बढ़ा है कि 2020-21 में 26 लाख टन दलहन आयात का आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 47 लाख टन हो गया। विदेश से दलहन का आयात 2024-25 में रिकॉर्ड 70 लाख टन तक पहुंचने का अनुमान है।

इन पौष्टिक फलियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए व्यवस्थित प्रयास 1966 में दलहन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना शुरू होने के साथ हुए और बिना किसी अपेक्षित प्रगति के अब भी जारी हैं। दलहन के समग्र उत्पादन में निस्संदेह कुछ वृद्धि हुई है मगर यह बढ़ती मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसका नतीजा यह हुआ है कि प्रति व्यक्ति उपलब्धता 2017 में 54.4 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन से घटकर अब 43.6 ग्राम हो गई है। यह राष्ट्रीय पोषण संस्थान द्वारा अनुशंसित 85 ग्राम प्रति दिन की आवश्यक खपत का लगभग आधा है।

यह वास्तव में चिंता की बड़ी वजह है। भारत की आबादी का बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से शाकाहारी है या यदा-कदा ही ही मांसाहार करता है। दलनह का पर्याप्त सेवन अनिवार्य है क्योंकि इनमें रेशे (फाइबर) के साथ महत्त्वपूर्ण विटामिन और खनिज जैसे आयरन और फोलेट की भरपूर मात्रा होती है। इन पोषक तत्वों की कमी देश में फैले कुपोषण का प्रमुख कारण है, जिसका असर भारतीयों के स्वास्थ्य पर हो रहा है और उनकी कार्य क्षमता पर भी दूरगामी असर डाल रहा है।

दलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए पिछली आधी सदी में किए गए अनगिनत कार्यक्रमों में जो सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम हैं, उनमें दलहन विकास योजना (1969-74), दलहन पर खाद्य अनाज उत्पादन कार्यक्रम (1985-90), दलहन, तिलहन और मक्का पर प्रौद्योगिकी मिशन (1990 के दशक), तिलहन, दलहन और मक्का पर एकीकृत योजना (2004-10), दालों के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, जिसका नाम बाद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (2007-12) कर दिया गया और त्वरित दलहन उत्पादन कार्यक्रम (2010-14) प्रमुख रहे हैं।

इनमें से अधिकतर कार्यक्रमों ने कार्य योजनाओं में मामूली बदलाव के साथ लगभग समान रणनीतियों का पालन किया। शायद ही कोई नई या लीक से हटकर सोच इस्तेमाल की गई। इसे देखते हुए आश्चर्य की बात नहीं है कि इन योजनाओं के अपेक्षित परिणाम सामने क्यों नहीं आ पाए। यह बात इन फसलों के रकबे में किसी महत्त्वपूर्ण बढ़ोतरी या उनकी औसत उत्पादकता में प्रत्यक्ष वृद्धि नदारद रहने से साफ है। इसके उलट दलहन का शुद्ध रकबा 2021-22 में 3.1 करोड़ हेक्टेयर से घट कर 2024-25 में 2.75 करोड़ हेक्टेयर रह गया है। इस अवधि के दौरान उत्पादन भी 2.73 करोड़ टन से घटकर 2.52 करोड़ टन रह गया है। दालहन की औसत उपज केवल 0.74 टन प्रति हेक्टेयर है, जो 0.97 टन के वैश्विक औसत से कम है। यह अलग बात है कि भारत दुनिया में इन फलियों का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। उत्पादन में दीर्घकालिक वृद्धि वास्तव में 1950 के दशक से निराशाजनक रूप से कम रही है, जो केवल 0.5 प्रतिशत प्रति वर्ष है।

वर्ष 2004-05 से इसकी वृद्धि दर में सुधार हुआ है, जिसका श्रेय काफी हद तक सिर्फ तीन फसलों ङ्क मूंग, उड़द और चना ङ्क के उत्पादन में वृद्धि को दिया जा सकता है। अन्य दालों की उत्पादकता या उनके उत्पादन में अब तक कोई सराहनीय वृद्धि दर्ज नहीं हो पाई है। दलहन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नवीनतम कदम के रूप में 11,440 करोड़ रुपये का आत्मनिर्भरता मिशन (दलहन आत्मनिर्भरता मिशन) शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर को औपचारिक रूप से इस योजना की शुरुआत की है। इस मिशन की घोषणा इस वर्ष बजट में की गई थी। यह 2025-26 से 2030-31 तक लागू किया जाना है। इसका उद्देश्य तीन प्रमुख दालों ङ्क तूर (अरहर), उड़द और मसूर का उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर दिसंबर 2027 तक आत्मनिर्भरता का प्राथमिक उद्देश्य हासिल करना है।

इसके बाद कुछ और वर्षों तक दूसरे उपाय किए जाने का भी प्रस्ताव है। हालांकि इस मिशन में जिस ढांचे का पालन किया जाएगा वह भी पिछली कुछ योजनाओं में आजमाए ढांचों से बहुत अलग नहीं दिखाई दे रहा है। यह ढांचा मूल रूप से अन्य फसलों के साथ मिश्रित खेती को प्रोत्साहित करने और धान की खेती के बाद खाली हुई जमीन का उपयोग करने, उच्च उपज वाली किस्मों के बीज वितरित करने और पूर्व-निर्धारित कीमतों (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर उपज की सुनिश्चित बिक्री के जरिये दलहन का रकबा बढ़ाने की कोशिश के इर्द-गिर्द घूमता है। पहली नजर में इस योजना के लिए शायद ही किसी नए उपाय की परिकल्पना की गई है। सुझाए गए अधिकांश उपाय पहले ही आजमाए और परखे जा चुके हैं जिनसे बहुत अधिक लाभ नहीं मिल पाए हैं।

इन सभी प्रयासों में जिस बात को नजरअंदाज किया जा रहा है वह यह है कि दलहन की खेती प्रतिस्पर्धी या नकदी फसलों की तरह आकर्षक नहीं है। लिहाजा किसान उपज बढ़ाने वाली सामग्री पर खर्च करने में अधिक दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं। इसी कारण दलहन की फसलों की खेती सीमांत, असिंचित और कम उपजाऊ भूमि में की जा रही है। जब तक अन्य फसलों की तरह दलहन की खेती के अर्थशास्त्र का ध्यान नहीं रखा जाता है तब तक उत्पादन में उछाल की उम्मीद करना बेमानी है।

–डॉ. सुधाकर आशावादी

मध्यप्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को नई दिशा,स्पष्टता और मजबूती देते मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास की दिशा को एक नई स्पष्टता और मजबूती दे रहे हैं। उनके नेतृत्व में उद्योगों से जुड़े नवाचार अब नीतियाँ और घोषणाओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वास्तविक परियोजनाओं, निवेशकों के बढ़ते विश्वास और जमीन पर दिखाई देने वाली औद्योगिक गतिविधियों के रूप में सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुरुआत से ही यह लक्ष्य तय किया कि मध्यप्रदेश को ऐसा निवेश-अनुकूल राज्य बनाया जाए, जहाँ उद्योगों को दीर्घकालिक अवसर मिले, युवाओं के लिए रोजगार का विस्तार हो और प्रदेश की अर्थव्यवस्था अधिक स्थिर, सक्षम और टिकाऊ बने। उनकी कार्यशैली की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वे प्रत्येक नवाचार को व्यावहारिक और क्रियान्वयन-केंद्रित तरीके से आगे बढ़ाते हैं। निवेशकों से संवाद, नीतियों का सरलीकरण, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और औद्योगिक अवसंरचना के विस्तार आदि हर स्तर पर उन्होंने समयबद्ध और परिणाम-केंद्रित कार्य शैली को प्राथमिकता दी है। इसी कारण आज प्रदेश में उद्योग स्थापना की गति पहले की तुलना में तेज दिखाई देती है, बड़े निवेश वास्तविक रूप से जमीन पर उतर रहे हैं और नए रोजगार अवसर निरंतर बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश की वर्तमान औद्योगिक प्रगति यह दर्शाती है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नेतृत्व दूरदर्शी होने के साथ स्थिर, भरोसेमंद और परिणाम देने वाला है। प्रदेश अब केवल निवेश आकर्षित करने वाला राज्य नहीं, बल्कि उद्योगों के लिए एक विश्वसनीय विकल्प और रोजगार सृजन के लिए एक मजबूत आधार के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश ने औद्योगिक विकास और निवेश आकर्षण के नए आयाम स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में निवेश से जुड़े प्रयास व्यापक और बहु-स्तरीय रहे, जिनमें अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर निवेशक समुदाय के साथ संवाद को नए आयाम दिए गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, जापान, दुबई और स्पेन में आयोजित सत्र महत्वपूर्ण साबित हुए, जिनसे प्रदेश को 89 हजार करोड़ रुपये से अधिक की निवेश अभिरुचि प्राप्त हुई। राष्ट्रीय स्तर पर मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, पुणे, नई दिल्ली, कोयम्बटूर, सूरत, लुधियाना और असम में आयोजित संवादों ने 2.3 लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव और लगभग 2 लाख रोजगार अवसरों का आधार निर्मित किया। प्रदेश के विभिन्न संभागों और जिलों जैसे उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, नर्मदापुरम और शहडोल में आयोजित क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन तथा रतलाम के राइज- रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेवकार्यक्रम ने 2.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश और 3 लाख रोजगार अवसरों का सुदृढ़ आधार तैयार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्देश्य केवल संवाद बढ़ाना नहीं रहा, बल्कि निवेश को वास्तविक रूप से धरातल पर उतारना उनकी प्रमुख प्राथमिकता रही है। इसी दृष्टि से मध्यप्रदेश जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम 2025 के माध्यम से 20 अधिनियमों के 44 प्रावधानों को अपराधमुक्त किया गया, जिससे निवेशकों और उद्यमियों के लिए अनुपालन प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और उद्योग अनुकूल बनी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों के प्रत्यक्ष परिणाम जीआईएस 2025 में स्पष्ट रूप से दिखाई दिए, जहाँ प्रदेश को 26.61 लाख करोड़ रूपये की निवेश प्रस्ताव और लगभग 17 लाख रोजगार सृजित होंगे। इनमें से 6,20,325 करोड़ रुपये का निवेश वास्तविक रूप से जमीन पर उतर चुका है, जो निवेशकों के विश्वास और प्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों का मजबूत प्रमाण है। औद्योगिक अधोसंरचना के विस्तार में भी प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले दो वर्षों में 4,237 एकड़ भूमि उद्योगों को आवंटित की गई, जिससे 2 लाख करोड़ रूपये से अधिक निवेश और करीब 2.5 लाख रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। प्रदेश के 16,936 हेक्टेयर में विकसित 25 नए औद्योगिक पार्क उद्योगों के विस्तार के नए केंद्र बनकर उभर रहे हैं। विशेष औद्योगिक पार्कों के विकास में भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। धार में पीएम मित्र पार्क वस्त्र उद्योग के लिए नई संभावनाओं का केंद्र बन रहा है। यहाँ 2,158 एकड़ क्षेत्र में विकसित पार्क प्रदेश में 1 लाख प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क चिकित्सा उपकरण निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश को नई पहचान दे रहा है।

मुरैना का मेगा लेदर फुटवियर पार्क चमड़ा और फुटवियर उद्योग के लिए बड़े पैमाने पर अवसर तैयार कर रहा है। मोहासा-बाबई, नर्मदापुरम में विकसित नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण क्षेत्र में दोनों चरणों में 1050 एकड़ से अधिक भूमि अग्रणी कंपनियों को आवंटित की गई है, जो प्रदेश की ग्रीन एनर्जी क्षमता को मजबूत कर रहा है।

नीति सुधारों ने भी प्रदेश में उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जीआईएस-2025 के दौरान राज्य सरकार ने 18 नई प्रगतिशील नीतियाँ जारी कीं, जिनमें औद्योगिक प्रोत्साहन नीति 2025, निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025 और लॉजिस्टिक्स नीति 2025 जैसी नीतियों विशेष रूप से प्रभावकारी रही हैं।

प्रदेश ने वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर अवार्ड 2024 प्राप्त किया। समृद्ध मध्यप्रदेश ञ्च2047 दृष्टि-पत्र का विमोचन, उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण और इन्वेस्ट एमपीपोर्टल का शुभारंभ प्रदेश के निवेश-केंद्रित दृष्टिकोण को और मजबूती प्रदान करते हैं। इन सभी प्रयासों का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि अब प्रदेश में केवल प्रस्तावों की बात नहीं रही, बल्कि निवेशक वास्तविक रूप से उद्योग स्थापित कर रहे हैं। रोजगार सृजन की गति तेज हुई है, औद्योगिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं और निवेशकों तथा सरकार के बीच भरोसे का वातावरण और मजबूत हुआ है। मध्यप्रदेश अपने औद्योगिक सफर के उस चरण में प्रवेश कर चुका है, जहाँ नेतृत्व की स्पष्ट दिशा, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और नीति-आधारित स्थिरता मिलकर एक ऐसा निवेश-अनुकूल माहौल निर्मित कर रहे हैं

–धनंजय राजौरा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के हितग्राहियों को माह जनवरी की राशि का अंतरण किया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यकम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के हितग्राहियों को माह जनवरी 2026 की मासिक आर्थिक सहायता राशि का अंतरण माखन नगर जिला नर्मदापुरम से किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय उमावि में आयोजित किया गया। जिसमें राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मुख्यमंत्री लाड़ली बहनाओं को दिखाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर एवं कन्या पूजन कर किया।

इस अवसर पर विधायक श्री अरूण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, डॉ. रवि पाण्डे, श्री उमेश टेलर, श्री मुकेश गर्ग, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अनुपमा चौहान, महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी उपस्थित थे।

विधायक श्री अरूण भीमावद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं सशक्त होगी तो समाज सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लाड़ली बहना योजना, स्वसहायता समूह, लखपति दीदी जैसी कई योजनाएं केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विकसित भारत 2047 में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए आरक्षण दिया जा रहा हैं। साथ ही साथ जिले में प्रधानमंत्री आवास का नाम भी महिला के नाम से दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र के रूप में उभरेगा। विधायक श्री भीमावद ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा सबका साथ, सबका विकास को ध्यान में रखकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग के कल्याण के लिए विकास के कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ पात्र हितग्रहियों को मिल रहा हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया ने संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे महिलाएं सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने लाड़ली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशि के लिए सभी लाड़ली बहनाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि केन्द्र

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मकर संक्रांति पर्व; पतंग उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास ग्रुप के शैक्षणिक संस्थानों में अपनी गौरवशाली परंपरा को जारी रखते हुए, आज अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में मकर संक्रांति का पावन पर्व अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम अमलतास ग्रुप के माननीय फाउंडर चेयरमैन के शुभाशीष और कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

संस्थान के परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण काइट फेस्टिवल (पतंग उत्सव) रहा। इसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आसमान को रंग-बिरंगी पतंगों से सराबोर कर दिया। खेल और परंपरा के इस अनूठे संगम ने विद्यार्थियों के बीच नई ऊर्जा का संचार किया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अभिजीत तायडे, जनरल मैनेजर श्री मनीष शर्मा एवं प्राचार्या डॉ. अनीता घोडके ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। अधिकारियों ने अपने संबोधन में मकर संक्रांति के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को जीवन में हमेशा ऊंचाइयों की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, गैर-शिक्षण स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। तिल-गुड़ के वितरण और पारंपरिक बधाई संदेशों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

लाड़ली बहनों को दिया गया मटमैला पानी, मीडिया के कहने पर बदले कैंपर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट स्कूल में महिला बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में लाड़ली बहनों को नगर पालिका से आया गंदा पानी पिलाया जा रहा था। मीडिया के संज्ञान में मामला आने के बाद नगर पालिका ने तत्काल वहां रखे पानी के कैंपर हटाकर नए कैंपर भेजे।

जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों और आमंत्रित अतिथियों के लिए ब्रांडेड कंपनी के बोतल बंद पानी की व्यवस्था की गई थी। वहीं लाड़ली बहनों के लिए नगर पालिका से बदबूदार और मटमैला पानी मंगवाया गया था। कार्यक्रम में शामिल लाड़ली बहनों ने भी इस पानी को बदबूदार और मटमैला बताया। मीडिया की ओर से मामला उठाए जाने के बाद महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने नगर पालिका से गंदा पानी हटाने को कहा। इसके बाद नगर पालिका ने पुराने कैंपर हटाकर नए पानी के कैंपर मंगवाए। इस संबंध में नगर पालिका के जल शाखा प्रभारी ऋषि पारछे ने बताया कि नगर पालिका का पानी साफ और स्वच्छ है। उन्होंने पानी के मटमैले होने का कारण फिटकरी बताया और कहा कि यह थोड़ी देर में साफ हो जाएगा। हालांकि वे गंदे पानी के कैंपर हटाए जाने का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

ग्राम पंचायत आनंदपुर डूंगरिया में विकास कार्यों की नई इबारत, सरपंच पति की सक्रिय भूमिका से गांव को मिली विकास की रफ्तार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले की ग्राम पंचायत आनंदपुर डूंगरिया में निरंतर हो रहे विकास कार्यों से गांव की तस्वीर तेज़ी से बदल रही है। पंचायत क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सौंदर्यीकरण के चलते ग्रामीणों में संतोष और उत्साह का माहौल है। इन विकास कार्यों के पीछे सरपंच पति की सक्रियता, निगरानी और विकास के प्रति प्रतिबद्ध सोच को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

ग्राम पंचायत द्वारा खूबसूरत एवं सुव्यवस्थित बाल वाटिका का निर्माण कराया गया है, जहां बच्चों के लिए सुरक्षित खेलकूद की व्यवस्था, हरियाली और बैठने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह बाल वाटिका अब गांव के बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी है।

इसके साथ ही गांव के शमशान घाट में पेवर ब्लॉक का निर्माण कराकर वहां आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान किया गया है। ग्राम के प्रमुख मंदिरों में निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराए जाने से धार्मिक स्थलों की भव्यता बढ़ी है और ग्रामीणों को सुविधा मिली है।

इसके अतिरिक्त पंचायत क्षेत्र में अन्य आवश्यक विकास कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच पति द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्यों की निगरानी की जाती है, जिससे काम की गुणवत्ता बनी हुई है और योजनाएं समय पर पूरी हो रही हैं।

ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि इसी तरह विकास कार्यों की गति बनी रही तो आने वाले समय में आनंदपुर डूंगरिया एक आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

स्कूटी में लगी आग, पति-पत्नी ने कूदकर बचाई जान, वाहन पूरी तरह जलकर राख

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुनेरा थाना क्षेत्र में जलोदा जोड़ के पास एक चलती स्कूटी में अचानक आग लग गई। नेशनल हाईवे पर हुई इस घटना में स्कूटी कुछ ही मिनटों में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि स्कूटी सवार पति-पत्नी समय रहते नीचे उतर गए, जिससे वे सुरक्षित हैं। घटना शुक्रवार दोपहर की है।

जानकारी के अनुसार ग्राम रिजावदा निवासी विजय पिता हिंदू सिंह और उनकी पत्नी नेहा इंदौर जा रहे थे। जलोदा जोड़ से पहले उन्होंने अपनी स्कूटी में पेट्रोल भरवाया था। जलोदा जोड़ के पास पहुंचते ही स्कूटी से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। दंपती ने तुरंत स्कूटी रोककर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। डायल-112 वाहन में तैनात पायलट संजय और प्रधान आरक्षक सुनील राजपूत ने स्थिति को संभाला।

हालांकि, उनके पहुंचने तक स्कूटी पूरी तरह जल चुकी थी। इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई, लेकिन स्कूटी पूरी तरह नष्ट हो गई।

आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क पर कर रही बालिका को बाईक ने मारी टक्कर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के पुराने शहरी हाईवे पर एक सड़क हादसा हो गया। कौटिल्य स्कूल के पास सड़क पार कर रही एक नाबालिग बच्ची को बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना में एक बाइक सवार युवक भी चोटिल हुआ है। हादसा शुक्रवार दोपहर का है। जानकारी के अनुसार बच्ची जया कौटिल्य स्कूल के सामने से सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्ची सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गई। हादसे में मंगलाज निवासी ईश्वर प्रसाद नामक बाइक सवार युवक भी घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने दोनों घायलों को तत्काल 112 वाहन से शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि दोनों घायलों का इलाज शाजापुर जिला अस्पताल में जारी है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच करेगी और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

उत्तर-पूर्वी हवाओं ने फिर कराया सर्दी का एहसास, छाया घना कोहरा, लगातार नगर में बन रहा घाटी सा नजारा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के मौसम का हाल प्रतिदिन अपना रंग बदल रहा है। शुक्रवार को भी नगर के मोसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। जबकि शाम तक न तो हवाओं का जोर था और न ही रात को सर्दी का एहसास हो रहा था। लेकिन सुबह एक बार फिर पूरा नगर शिमला बना हुआ था। सुबह से घने कोहरे की वजह से एक बार फिर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जबकि गुरूवार रात को मौसम सामान्य हो गया था। न हवाएं चल रही थी और न ही सर्दी का एहसास हो रहा था। अमूमन मकर संक्रांति पर्व के बाद सर्दी का असर भी कम होने लगता है जिसके चलते लोगों को उम्मीद थी कि अब सर्दी से राहत रहेगी, लेकिन सुबह जब लोगों की आंख खुली तो उनके सामने घना कोहरा छाया हुआ था और सर्द हवाओं ने भी पूरे नगर को जकड़ रखा था। वहीं हाईवे पर वाहन चालकों को भी रेंगते हुए वाहन चलाना पड़ रहे थे। इस दिन अधिकतम व न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27 व न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री दर्ज किया गया।

आज से बदलेगा मौसम, मिलेगी सर्दी से राहत

मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अब मौसम में बदलाव होगा। संभवतया शनिवार से मौसम पूरी तरह बदल सकता है। उन्होंने बताया कि रात का तापमान 10 डिग्री और दिन का तापमान 29 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं आने वाले दिनों में आसमान पर बादल भी छाएंगे, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है।

आयुक्त ने किया वार्ड 14 व 15 का पैदल भ्रमण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड 14 ग्राम बीराखेडी एवं वार्ड 15 अमोना मे आयुक्त दलीप कुमार ने पैदल भ्रमण कर वार्डवासियों से वन टु वन चर्चा की गई। बस्ती का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था मे कचरा पाईट मिलने पर वार्ड दरोगा को सख्त चेतावनी दी वहीं स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल कचरा उठवाये जाने हेतु कहा वहीं रहवासियों को कचरा पाईट नही बनने की हिदायत दी। पानी के वितरण पर भी चर्चा की, वार्डवासियों ने बताया कि पानी साफ आ रहा है। वहीं आयुक्त ने चन्द्रशेखर आजाद मल्टी का अचानक निरीक्षण किया जिसमें सफाई व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य अधिकारी के साथ ड्रेनेज व्यवस्था भी देखी ओर सफाई व्यवस्था को लेकर अप्रसन्नता व्यक्त की। पीने के पानी की टंकी को स्वंय आयुक्त ने देखी जिसकी तत्काल सफाई करवाने निर्देश देते हुये उसकी फोटो तथा सफाई कार्य होने के बाद की फोटो दिये जाने हेतु कहा। वहीं मल्टी में कचरा संग्रहण की वसुली एवं जलकर राशि की वसुली नही होने पर वसुली करवाये जाने के लिये प्र. कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिये।

कलेक्टर ने रेहटी पहुंचकर तहसील कार्यालय एवं धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने रेहटी पहुंचकर तहसील कार्यालय, राजस्व न्यायालय, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया तथा धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी गतिविधियों की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

रेहटी तहसील कार्यालय का निरीक्षण, एसआईआर की समीक्षा- रेहटी तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने एसआईआर की प्रगति की समीक्षा करते हुए मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नो-मैपिंग वोटर्स की सुनवाई, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के निराकरण तथा दावे-आपत्तियों के निपटारे की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं बीएलओ से चर्चा कर निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता का सत्यापन पूरी गंभीरता से किया जाए, किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न रहे और अपात्र प्रविष्टियों का नियमानुसार निराकरण किया जाए।

नवीन कॉलेज में स्टार्टअप दिवस का आयोजन

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के नवीन कॉलेज में शुक्रवार को स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्टार्टअप और स्वरोजगार के अवसरों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में जिला प्रबंधक ग्रामीण आजीविका मिशन के बलवंत सितोलिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चल रही रोजगार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में भी बताया। मुख्य वक्ता डॉ. कपिल जाटव ने स्टार्टअप से जुड़ी जरूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है, जिससे युवाओं के लिए खुद का काम शुरू करने के कई अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। वाणिज्य विभाग के डॉ. सुनील आडवानी ने उद्यमिता के महत्व पर बात रखी और विद्यार्थियों को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. आर.सी. चौहान ने स्टार्टअप के उद्देश्य और इसके लिए मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। अंत में डॉ. दौलतराम राठौर ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

लाडली बहनों की हुई दिवाली, लाडली बहनों को मिली योजना की सौगात

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का कार्यक्रम नर्मदापुरम माखन नगर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मुख्य आतिथ्य मे हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार 16 जनवरी को सिंगल क्लीक के माध्यम से 2 लाख 80 हजार 4 सौ 47 लाडली बहनों को योजना की राशि हस्तांतरित की।

गरीमामय कार्यक्रम का लाईव प्रसारण के माध्यम से समूचे म.प्र. ने देखा। इसी कडी मे कार्यक्रम का अयोजन नगर निगम देवास द्वारा भी बैठक हाल मे विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, पार्षद राहूल दायमा, योजना के जिला अधिकारी साबीर एहमद सिद्दीकी, निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर एवं परियोजना अधिकारी मोहन अहिरवार, गीता ठाकुर, विकास खण्ड अधिकारी समीक्षा जैन, पार्षद प्रतिनिधि बाबु यादव की उपस्थिती मे मॉ सरस्वती जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि यह योजना पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के दिल के करीब की योजना है। जिसे निरंतर बनाये रखने का संकल्प मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिया ओर हर महिने हमारी लाडली बहनों की दिवाली मनवाते है।

इस दौरान महिला शसक्तिकरण के संबंध मे गीता ठाकुर ने लाडली बहनों को बताया कि एमजी अस्पताल मे वन स्टॉप सेन्टर के संबंध मे पूर्ण जानकारी दी कि अब एमजी अस्पताल मे वन स्टॉप मे 24 घण्टे ही महिलाओं के उपर होने वाले अत्याचारों को रोकने तथा पीडीत महिला या बालिका के लिये यह सेन्टर सरकार ने चलाया है। जिसमें महिला व बालिका के बचाव, उनकी मदद के लिये सदैव स्टॉफ तत्पर रहता है ओर उनकी देखभाल करता है। कहीं भी महिला या बालिका पर किसी भी प्रकार की प्रताडना कोई भी करता है तो तुरन्त यहां सम्पर्क करें। उनकी पूरी मदद तुरंत की जावेगी इसकी जानकारी दी।

उपायुक्त श्री जाफरी, श्रीमती खेडेकर ने सभी लाडली बहनों को मकर संक्रांति की शुभकामनायें दी तो कार्यालय अधिक्षक रणजीसिंह पंजाबी ने निगम परिवार की ओर से सभी का स्वागत व अभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बडी संख्या मे लाडली बहने उपस्थित रहीं।

बिना हाथ के दिव्यांगों को लगेंगे निशुल्क इलेक्ट्रॉनिक प्रोस्थेटिक्स हैंड्स

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा 26 और 27 जनवरी को आयोजित विशेष शिविर में निशुल्क इलेक्ट्रॉनिक प्रोस्थेटिक्स हैंड्स लगवाए जाएंगे ।बिना हाथ के जन्मे या दुर्घटना में हाथ का निचला हिस्सा गंवाने वाले लोगों को ये कृत्रिम हाथ लगाए जाएंगे। ये शिविर इनाली फाउंडेशन के सहयोग से लगाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ये महत्वपूर्ण पहल राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत की गई है। इस कृत्रिम हाथ के माध्यम से दैनिक कार्य जैसे वस्तुओं को पकड़ना, खाना, लिखना, डिजाइन जैसे कार्य आसानी से किए जा सकते हैं। ये डिवाइस 15 साल से ऊपर के व्यक्तियों को लगाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि ऐसे लोग जिनके कोहनी से निचला हिस्सा नहीं है वे नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र अथवा स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं।

जिले की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक पहचान हैं सारू-मारू की गुफाएं - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बुधनी तहसील के ग्राम पान गुराड़िया स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व की सारू-मारू की गुफाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुफाओं, बौद्ध स्तूपों एवं शिलालेखों का अवलोकन किया और प्राचीन धरोहर के संरक्षण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने यह भी कहा कि सारू-मारू की गुफाएं जिले की ऐतिहासिक पहचान हैं। उल्लेखनीय है कि सारू-मारू की गुफाएं सीहोर जिले की बुधनी तहसील अंतर्गत ग्राम पान गुराड़िया के समीप स्थित एक प्राचीन बौद्ध मठ परिसर एवं पुरातात्विक स्थल हैं, जिनका संबंध तथागत गौतम बुद्ध के प्रमुख शिष्यों महामोद्गलायन और सारिपुत्र के काल से माना जाता है। यह स्थल सांची से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है और यहां प्राकृतिक गुफाओं के साथ-साथ अनेक बौद्ध स्तूप निर्मित हैं। गुफाओं में स्वस्तिक, त्रिरत्न एवं कलश जैसे बौद्ध प्रतीकों के भित्तिचित्र आज भी देखे जा सकते हैं, जो इस स्थल की धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाते हैं। इस स्थल का विशेष महत्व इस कारण भी है कि यहां मुख्य गुफा में सम्राट अशोक से संबंधित दो महत्वपूर्ण शिलालेख प्राप्त हुए हैं। इनमें से एक शिलालेख में अशोक के पुत्र महेंद्र की यात्रा का उल्लेख मिलता है, जबकि दूसरे शिलालेख से यह जानकारी मिलती है कि सम्राट अशोक ने विदिशा में निवास के दौरान इस स्थल की यात्रा की थी। इतिहासकारों के अनुसार यहां मौजूद कुछ गुफाएं और स्तूप सम्राट अशोक के राज्यकाल से भी पूर्व के हैं। बुद्ध काल में बुधनी क्षेत्र को 'बुद्धनगरी' के रूप में जाना जाता था और आसपास के क्षेत्रों में भी बौद्ध स्तूपों के अवशेष पाए गए हैं। लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में फैली इस पहाड़ी पर शैल चित्रों के साथ-साथ 25 से अधिक बौद्ध स्तूप मौजूद हैं, जिनका संरक्षण राष्ट्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा किया जा रहा है।

पूज्य साध्वी श्री चरित्र कला श्री जी म. साहब की निश्रा में बरडिया परिवार द्वारा निकाली मेरू तेरस यात्रा

पूज्य साध्वी जी का नगर में हुआ मंगल पदार्पण

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुण्यसम्राट श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वर जी म.सा. के पट्टधर गच्छाधिपति आचार्य देवेश श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वर जी म.सा. एवम् आचार्य देवेश श्रीमद् जयरत्न सूरीश्वर जी म.सा. के आशीर्वाद से एवम् पट्टधर द्वय की आज्ञानुवर्ती प. पू. साध्वी श्री चारित्रकला श्री जी म.सा. आदि ठाणा - 5 की पावन कारी निश्रा में श्रीमती सुशीला कांतिलाल बरडिया, श्रीमती प्रेमलता प्रकाशचंद्र बरडिया,श्रीमती हंसा विजयकुमार बरडिया के मेरु तेरस तप की पूर्णता पर बरडिया परिवार द्वारा शुक्रवार प्रातः 8ः30 बजे तपस्वी की शोभायात्रा निकाली गई।

जिसमें तपस्वी घी से बने मेरू को अपने मस्तक पर धारण करते हुए परमात्मा एवं गुरुदेव की जय जयकार लगाते हुए चल रहे थे शोभायात्रा को शोभायमान मान करने वाले समाज जनों द्वारा तपस्वी एवं परमात्मा के मंगलकारी जय कारे लगाए गए परम पूज्य साध्वी श्री चारित्र कला श्री जी म,सा आदि ठाणा का नगर में सुबह ढोल नगाड़ों के साथ मंगलकारी पदार्पण हुआ पूज्य साध्वी जी म, साहब की पावन कारी निश्रा में मेरू तेरस व्रत के तपस्वी की शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए श्री सुविधि नाथ जैन मंदिर पहुंची वहां पर परमात्मा को घी का मेरू अर्पित किया गया एवं परमात्मा का अनुपम दर्शन एवं चैत्य वंदन किया गया पश्चात श्री राजेंद्र सुरि ज्ञान मंदिर में पूज्य साध्वी जी महाराज साहब ने उपस्थित समाज जनों को जिनवाणी का रसपान कराते हुए कहा कि मेरू त्रयोदशी के दिन व्रत करने से मोक्ष प्राप्ति की संभावना प्रबल होती है यह पौष मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाई जाती है पांच मेरु का संकल्प को पूर्ण किया जाता है।

प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान ने इसी दिन मोक्ष की प्राप्ति की थी पूज्य साध्वी जी के इंदौर चातुर्मास में जैन श्री संघ अध्यक्ष अजय चोरडिया द्वारा महिदपुर रोडपधारने की विनंती की गई विनती को साध्वी जी ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की उक्त मंगलकारी कार्यक्रम में सकल जैन श्री संघ, समाज के वरिष्ठ महानुभाव, नवयुवक, महिला, बहु, तरुण बालिका परिषद में उपस्थित होकर तपस्वी के तप की बारंबार अनुमोदना कर धर्म लाभ प्राप्त किया।बरडिया परिवार द्वारा मंगलकारी कार्यक्रम में पधारे सभी समाज जनों का आभार व्यक्त किया गया। उक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने दी।

ग्रामोदय से अभ्युदय महाअभियान के अंतर्गत बड़ावदा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत 12 जनवरी से 26 जनवरी तक चल रहे महाअभियान के तहत नवांकुर संस्था श्रीमती सरोज वेलफेयर सोसायटी के अंतर्गत नगर विकास प्रस्फुटन समिति बड़ावदा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ावदा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विकासखंड समन्वयक युवराज सिंह पंवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से बचने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आदतों में बदलाव लाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग, अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक का सीमित उपयोग कर हम प्रकृति को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार व समाज को भी जागरूक करें। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

संकल्प से समाधान अभियान चार चरणों में चलेगा अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करें

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर 12 जनवरी से 31 मार्च तक 4 चरणों में संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा के दौरान शहरी क्षेत्र में सभी वार्ड स्तर पर, ग्रामीण क्षेत्र में सभी पंचायत स्तर पर एवं नगरीय निकायों में भी शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों के आवेदन किए जाएं। प्राप्त किए गए आवेदन पोर्टल पर अंकित हों और संबंधित विभागों को निराकरण के लिये भेजे भी जाएं। अभियान को पूर्ण गंभीरता के साथ अधिकारी लें। अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं ग्रामीण विकास व नगरीय निकाय से जिले भर के अधिकारी शामिल हुए। पहले चरण में लिये जायेंगे आवेदन कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्रथम चरण 15 फरवरी तक चलेगा। इस चरण में दल गठित कर आवेदन प्राप्त करने की कार्रवाई की जायेगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय के वार्डों में नगरीय वार्ड स्तरीय समिति गठित कर शासन की विभिन्न योजनाओं के आवेदन शिविर लगाकर अथवा घर-घर जाकर एकत्रित किए जायेंगे। अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा जिलेवार कलेक्टर एवं कमिश्नर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में की जायेगी। दूसरे चरण में निराकरण के लिए क्लस्टर व जोनल स्तर पर लगेंगे शिविर अभियान का दूसरा चरण 16 फरवरी से 16 मार्च तक चलेगा। प्रथम चरण में प्राप्त आवेदन के साथ नए आवेदन पत्रों के निराकरण के लिये द्वितीय चरण के दौरान शिविर लगाए जाएंगे। इस चरण में ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टर लेवल पर एवं नगरीय क्षेत्रों में नगर जोन स्तर पर नोडल अधिकारी के रूप में तहसीलदार/नायब तहसीलदार/मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत/मुख्य नगर पालिका अधिकारी /विकासखंड शिक्षा अधिकारी/जोनल अधिकारी अथवा समकक्ष अधिकारी रहेंगे। आवेदनों का निराकरण पोर्टल पर क्लस्टर/जोन लेवल के नोडल अधिकारी द्वारा दर्ज किया जाएगा। अभियान के तीसरे चरण में विकासखंड व नगर स्तर पर शिविर लगाकर होगा निराकरण अभियान का तीसरा चरण 16 मार्च से 26 मार्च तक चलेगा। इस चरण में ब्लॉक नगर स्तर पर शिविर आयोजित किए आएंगे, जिसमें क्लस्टर, जोन लेवल पर अनिराकृत आवेदन व शिकायतों/नवीन प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। अभियान का चतुर्थ चरण अभियान का चतुर्थ चरण 26 मार्च से 31 मार्च तक चलेगा। इसमें जिला स्तर पर शिविर आयोजित कर निराकरण से शेष सभी आवेदन व शिकायती आवेदनों के साथ नए आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। जिला स्तरीय शिविर में प्रभारी मंत्री द्वारा हितग्राहियों को सम्मान पूर्वक हितलाभ वितरण किए जायेंगे। प्रत्येक विकासखण्ड में कम से कम 3 नगर परिषद् में 01, नगर पालिका में 2 से 5 एवं नगर निगम में 5 से 10 शिविर आयोजित किए जायेंगे।

ग्वालियर जिले की 3,02,533 बहनाओं के खातों में पहुँची लगभग 44.77 करोड़ की राशि

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले की लगभग 3 लाख 2 हजार 533 लाड़ली बहनाओं के खातों में शुक्रवार को 44 करोड़ 76 लाख 73 हजार से अधिक धनराशि पहुँची। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदापुरम जिले के माखन नगर (बावई) में आयोजित हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के ग्वालियर जिले की लाड़ली बहनाओं सहित सम्पूर्ण प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 31 हजार से अधिक बहनाओं के खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 32वी किस्त के रूप में 1836 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि अंतरित की। ग्वालियर में बाल भवन में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने आई महिलाओं ने सीधे प्रसारण के जरिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उदबोधन सुना। साथ ही राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आनंद लिया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में पहुँची लाड़ली बहनाओं का तिल-गुड़ी की गजक से मुँह मीठा कराकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर लाड़ली बहनाओं ने पतंग उड़ाकर एवं दौड़ सहित अन्य पारंपरिक खेलों में भाग लेकर अपनी खुशियां बांटीं। जिला स्तरीय कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित नुक्कड़ नाटक एवं मनोहरी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी हुई। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने कहा कि महिलायें किसी भी मायने में पुरुषों से कमतर नहीं हैं। उन्होंने देश की कई महिलाओं ने अपनी प्रतिभा की बदौलत विभिन्न क्षेत्रों में सफलता का परचम लहराया है। आप सब भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानें और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं सशक्त बनें और दूसरों के लिये उदाहरण प्रस्तुत करें। संयुक्त संचालक महिला बाल विकास सुश्री सीमा शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिये महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनना होगा। उन्होंने आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनें। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्रीमती उपासना राय ने सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिये संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। अंत में सहायक संचालक महिला बाल विकास श्री राहुल पाठक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाड़ली बहनायें, विभागीय परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता - सहायिका शामिल हुईं।

खबर का असर

शासन की भूमि पर बने सरपंच के गोडाउन पर चलेगा, प्रशासन का बुलडोजर, गोडाउन होगा ध्वस्त

जांच में आया सामने सरपंच ने किया अवैध अतिक्रमण

मालवा हेराल्ड
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
उज्जैन, रविवार 11 जनवरी 2026
भूमि शासन की गोडाउन सरपंच का, अस्पताल की भूमि पर कब्जा कर तान दिया गोडाउन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। ग्राम बिरियाखेड़ी के सरपंच राधाबाई पति मनोहर परमार द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर गोडाउन तान दिया। जिसकी शिकायत गांव के पूर्व सरपंच ने बडनगर से लगाकर उज्जैन तक के अधिकारियों से की गई लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई जब यह मामला हमारे संज्ञान में आया तो हमारे द्वारा सरपंच कैसे भ्रष्टाचार की प्रमुखता को खबर प्रकाशित किया गया।

जिसके बाद प्रशासनिक हलके में हड़कंप मचा और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए तहसीलदार ने पटवारी को निर्देशित किया और जांच दल को मौके पर भेजा और जांच करवाई तथा मौके पर पटवारी ने राजस्व भूमिका सीमांकन किया। जहां पर सीमांकन के दौरान पाया गया कि सरपंच द्वारा जो गोदाम अपने निजी भूमि के सामने बनाया गया है वह वास्तव में शासकीय भूमि पर बना हुआ है। जिसकी रिपोर्ट पटवारी ने तहसीलदार को सौंपी है। तहसीलदार रुपाली जैन ने बताया कि ग्राम बिरियाखेड़ी में सरपंच द्वारा अतिक्रमण की सूचना मिली थी जिसकी जांच के लिए पटवारी को भेजा गया था पटवारी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है सरपंच का 16 बाय 30 पर अवैध अतिक्रमण पाया गया है और भी लोगों के अतिक्रमण पाए गए हैं जिन्हें सूचना पत्र जारी किया गया है और तीन दिन में अतिक्रमण का जवाब मांगा है।

यहां सवाली होता है कि एक सरपंच जो कि गांव का प्रधान होता है प्रथम नागरिक होता है और गांव के प्रधान, प्रथम नागरिक ही अपने गांव के लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में बात कर उन योजनाओं को गांव के जन-जन तक पहुंच कर उनका लाभ दिलाने ही उद्देश्य होता है और इसी के लिए गांव की जनता अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए सरपंच को चुनती है लेकिन बिरियाखेड़ी में गांव की प्रथम नागरिक सरपंच कहने को तो राधाबाई है लेकिन सरपंची उनके पति मनोहर परमार द्वारा की जाती है। जिसके चलते गांव में सरपंच पति अवैध रूप से शासकीय भूमि पर कब्जा कर गोडाउन तान देता है तो कहीं अवैध रूप से लकड़ी कटाई की जाती है, तो किसी गरीब की झोपड़ी को अतिक्रमण बढ़कर तोड़ देता है तो कहीं स्वयं ही अतिक्रमण करवा लेते हैं।

उनकी यात्राओं एवं प्रताड़नाओं से कई लोग परेशान है। सूत्रों के अनुसार यदि गांव में शासकीय भूमि पर मकान बनाना है या कहीं खनन करना है तो सरपंच पति से मिलकर यदि कोई कार्य किया जाता है तो उसमें कोई समस्या नहीं आती है वह अवैध कार्य भी वैध हो जाता है और यदि सरपंच से ना मिले, ना लिया दिया तो फिर उन्हें यह येन केन प्रकारेण तरिके से उन्हें परेशान व प्रताड़ित करने से भी यह सरपंच पति नहीं चुकते हैं और यह अपनी सरपंची और राजनीति प्रभाव के चलते इन पर प्रभावी कार्यवाही नहीं हो रही है। सरपंच पति के करना में और भ्रष्टाचार की फेहरिस्त लंबी है जिसकी जांच शासन के जिम्मेदार अधिकारियों को निष्पक्ष रूप से करनी चाहिए खैर अभी तो सरपंच द्वारा किए गए अतिक्रमण पर प्रशासन ने संज्ञान लेकर तीन दिन में जवाब मांगा है तीन दिन बाद अब तहसीलदार आगे की क्या कार्रवाई करती है क्योंकि सीमांकन के पश्चात यह तो स्पष्ट हो गया है कि सरपंच द्वारा बनाया गया गोदाम शासन की भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर बनाया गया है जवाब जो भी आए प्रशासन को अपनी भूमि अपने कब्जे में लेना है उसके लिए गोदाम को ध्वस्त करना आवश्यक है अब देखना यह होगा कि सूचना पत्र जारी होने के बाद कितने दिनों के बाद प्रशासन का बुलडोजर चलता है और गोदाम को ध्वस्त कर शासन अपनी भूमिका कब्जा कब तक प्राप्त करता है यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

अच्छी खबर ग्वालियर के उदयमान खिलाड़ी अनिरुद्ध चौहान का गोपीचंद फुलेला अकादमी में चयन, खेल जगत में हर्ष

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर के लिए गौरव का विषय है कि जिले के उभरते हुए प्रतिभाशाली खिलाड़ी श्री अनिरुद्ध चौहान का चयन देश की प्रतिष्ठित गोपीचंद फुलेला बैडमिंटन अकादमी में हुआ है। यह चयन अनिरुद्ध की निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का प्रतिफल है। अनिरुद्ध चौहान के चयन पर उनके कोच एवं अकादमी के समस्त प्रशिक्षक एवं स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कोच ने कहा कि अनिरुद्ध में प्रारंभ से ही असाधारण खेल प्रतिभा दिखाई दी, जिसे निरंतर प्रशिक्षण और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा है। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने भी अनिरुद्ध चौहान को बधाई देते हुए उनकी सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि अनिरुद्ध जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी न केवल ग्वालियर बल्कि मध्य प्रदेश का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। नगर निगम आयुक्त ने आशा व्यक्त की कि अनिरुद्ध आगे भी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगे। गोपीचंद फुलेला अकादमी में चयन के साथ ही अनिरुद्ध चौहान को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, संसाधन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। उनकी यह सफलता ग्वालियर के खेल वातावरण को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। अनिरुद्ध चौहान की इस उपलब्धि से जिले के युवा खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है और यह संदेश गया है कि सच्ची लगन, परिश्रम और मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उदयीमान बैडमिंटन खिलाड़ी अनिरूद्ध चौहान का कहना है कि गोपीचंद फुलेला बैडमिंटन अकेडमी में चयन होना मेरे लिये गौरव की बात है। पिछले 5 ङ्क 6 वर्ष से निरंतर बैडमिंटन की प्रैक्टिस नगर निगम के एकलव्य खेल परिसर में कर रहा हूँ। नगर निगम के कोच श्री हिमांशु चौधरी एवं समस्त स्टाफ का मुझे निरंतर सहयोग मिला, जिसके कारण मैं अपने खेल को और बेहतर कर सका। गोपीचंद फुलेला बैडमिंटन अकादमी में उच्च स्तरीय खेल प्रशिक्षण से मेरा प्रयास होगा कि मैं ग्वालियर और प्रदेश का नाम रोशन कर सकूं।

पीएम सूर्य घर योजना ग्वालियर-चंबल संभाग में अब तक 29 हजार 174 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 227 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सभी जिलों सहित मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 16 जिलों में पीएम सूर्य घर योजना में अब तक कुल 29 हजार 174 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। इनके खातों में 227 करोड़ 39 लाख रूपये से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में जमा कराई जा चुकी है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं।

देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना में एक किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, 2 किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा 3 किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। योजना में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा, जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट https://www.pmsuryaghar.gov.in पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट www.portal.mpcz.in अथवा उपाय ऐप, वॉट्सऐप चेटबॉट व टोल फ्री नं 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर सब्सिडी मिले इसके लिए वेंडर और उपभोक्ता दोनों को ध्यान रखना होगा कि उनके बैंक खाते में नाम, आधार कार्ड में नाम तथा बिजली बिल में नाम एक समान होना चाहिए। गौरतलब है कि 1 दिसंबर 2024 से स्थापित होने वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सौर संयंत्रों में केवल स्मार्ट मीटर ही लगाए जा रहे हैं, जो कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा एस.ओ.आर. रेट पर उपभोक्ताओं को प्रदान किए जा रहे हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, छटावा एवं सातवा निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आंमत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता हैं।

नि.स.क्रं .	प्रपत्र का प्रकार	कार्य का विवरण	कार्य की अनु लागत	प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	पमयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	वर प्रस्तुत करने की अंतिमतिथि
2025_UAD_459658 _2	2.10	वार्ड क्रं. 41 पण्डिया खेडी में 110/160 एमएम डाया पी.व्ही.सी. पाईप लाईन डालने का कार्य।	272895/–	5460/–	2000/-	01 माह	23.01.2026	23.01.2026
2024_UAD_384952 _3	2.10	रघुवंशम विश्राम गृह परिसर में बोरिंग खनन, सिंगल फेस मोटर पंप सेट व पाईप लाईन स्थापना कार्य।	248183/–	4970/–	2000/-	01 माह	23.01.2026	23.01.2026
2023_UAD_304913 _4	2.10	वार्ड क्रमांक 13 के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर इनवेल बोरिंग खनन एवं सिंगल फेज 2 हा.पा. मोटर पंप मय आवयक सामग्री के स्थापना कार्य।	707784/–	14200/–	2000/-	02 माह	23.01.2026	23.01.2026
2025_UAD_377565 _4	2.10	वार्ड क्रं. 33 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर 150/125/115 एम.एम. बौरिंग खनन कार्य।	324017/–	6480/–	2000/-	01 माह	23.01.2026	23.01.2026
2023_UAD_273881_ 6	2.10	विभिन्न स्थानों पर नलकुप वार्ड क्रमांक 31 के अंतर्गत खनन व मोटर पंप स्थापना कार्य।	211066/–	4225/–	2000/-	01 माह	23.01.2026	23.01.2026
2025_UAD_411797 _7	2.10	उज्जैन शहर में विभिन्न स्थानों पर बोरिंग खनन मय सिंगल फेस मोटर पंप सेट मय आवश्यक सामग्री स्थापना कार्य।	1692772/–	33860/–	2000/-	01 माह	23.01.2026	23.01.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना की राशि का अंतरण किया मकर संक्रांति थीम पर जिला स्तरीय कार्यक्रम तलावली में आयोजित

महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं कलेक्टर की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम लाड़ली बहनों को मकर संक्रांति की भेंट स्वरूप पोषण टोकरी प्रदान की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा नर्मदापुरम जिले के माखन नगर से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण किया गया। जिले में 1 लाख 90 हजार 587 लाड़ली बहनों को 28 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण किया गया। इस अवसर पर मकर संक्रांति की थीम पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय हाई स्कूल तलावली के मैदान में किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि एवं कलेक्टर नेहा मीना विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि लाड़ली बहना योजना की राशि का अंतरण आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के करकमलों से किया जा रहा है। यह योजना प्रदेश की बहनों के जीवन में आत्मसम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है।उन्होंने कहा कि बहनों के जीवन में इस योजना से सकारात्मक परिवर्तन आया है। महिलाएं स्वाभिमान के साथ जीवन जी रही हैं और राशि की बचत कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि गर्भवती बहनों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। कुपोषण समाप्त करने के लिए विभागीय समन्वय के साथ महिलाओं की जागरूकता भी आवश्यक है।

उन्होंने तलावली से अपने पुराने संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहाँ आकर बहनों को यह खुशखबरी देना भावनात्मक क्षण है। सुश्री भूरिया ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सुपरवाइजरों की नियुक्ति की जा रही है तथा मिनी आंगनवाड़ियों का उन्नयन किया जा रहा है। सरपंच द्वारा रखी गई आंगनवाड़ी भवनों की मांग को पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि सभी महिलाओं ने अपने परिश्रम, संकल्प और आत्मविश्वास से जो सफलता की कहानियाँ गढ़ी हैं, वे सच्चे अर्थों में महिला सशक्तिकरण का उदाहरण हैं। ये उपलब्धियाँ आने वाली पीढ़ी, विशेषकर हमारी बच्चियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। लाडली बहना योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग सोच-समझकर करें। बचत को अपनी आदत बनाइए और राशि का सदुपयोग बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा पर करें, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित और सशक्त बन सके। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम होती हैं, तब इस राशि के उपयोग का निर्णय लेने का अधिकार पूर्णतः महिलाओं का है, यह आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि नियमित बचत अवश्य करें, ताकि किसी भी आपात या कठिन समय में यह आपके और आपके परिवार के काम आ सके। सभी को मकर संक्रांति के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए।

सरपंच श्री राम सिंह भूरिया ने कहा कि ग्राम पंचायत में लाड़ली बहनों को ?1500 की राशि प्रदान करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में नर्मदापुरम जिले के माखन नगर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा गया।

बहन सुमित्रा खपेड़ ने लाडली बहना योजना की राशि का सराहनीय उपयोग किया। उन्होंने वर्ष भर राशि नहीं निकाली और बचत से सिलाई मशीन खरीदी। आज वे सिलाई कार्य कर आत्मनिर्भर बनी हैं और बच्चों की पढ़ाई में सहयोग कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका सपना पुलिस में जाने का था, जो पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब वे अपनी बेटी को पढ़ा-लिखाकर पुलिस की तैयारी करवाएँगी। यह उदाहरण योजना की राशि के सदुपयोग से महिला सशक्तिकरण को दर्शाता है।

लखपति दीदी रेखा पूर्व में मजदूरी करती थीं। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने चूड़ी की दुकान शुरू की। समूह से ?30 हजार का ऋण लेकर आज उन्होंने बड़ी दुकान स्थापित की है और आत्मनिर्भर बनी हैं। इसी तरह रोशनी निनामा ने समूह से जुड़कर सिलाई मशीन खरीदी। सिलाई कार्य से प्राप्त आय से उन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाया, जो आज कॉलेज में अध्ययनरत हैं। ये उदाहरण महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानियाँ हैं।

कार्यक्रम में तिल के लड्डू व चक्की का वितरण किया गया तथा रस्सा-कशी, चेयर रेस, मेहंदी एवं रंगोली जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

प्रेरणा नुक्कड़ नाटक दल ग्राम पिपलिया द्वारा बाल विवाह रोकथाम पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 10 लाड़ली बहनों को हितलाभ एवं मकर संक्रांति उपहार स्वरूप पोषण टोकरी प्रदान की गई तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री आर एस बघेल, तहसीलदार झाबुआ श्री सुनिल डावर, सहायक संचालक श्रीमती वर्षा चौहान, सहायक संचालक श्री बहादुर सस्तिया, सहायक संचालक श्री अजय चौहान अन्य, अधिकारी कर्मचारी, लाड़ली बहनाएं एवं स्कूली छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा की अंतिम तारीख बढ़कर 28 जनवरी हुई

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल एवं स्कूल शिक्षा विभाग के मध्य एमओयू के माध्यम से संचालित पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए पूर्णतया निःशुल्क श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में छात्रों की संख्या को प्रोत्साहित करने प्रवेश परीक्षा की अंतिम तारीख 20 जनवरी से बढ़ाकर 28 जनवरी कर दी गई है। श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6 वीं से 9 वीं तक सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 08 फरवरी 2026 को है। शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल एवं इंदौर में अधिक से अधिक विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब 28 जनवरी तक कर दी गई है। हेल्प डेस्क शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्याल भोपाल श्रीमती रत्ना दुबे प्राचार्य मोबाइल नंबर 6263012515, श्रीमती सायमा नाज प्रवेश प्रभारी मोबाइल नंबर 9131605435, श्री मनोहर मालवीय मोबाइल नंबर 895958770, श्री बबलू मीणा कंप्यूटर ऑपरेटर मोबाइल नंबर 8103763852 है। इसी प्रकार शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्याल इंदौर श्रीमती सीमा सलवान प्राचार्य मोबाइल नंबर 8223961973, श्री पिंकू लाल झारियाप्रवेश प्रभारी मोबाइल नंबर 9770869293, श्रीमती कंचन पटेल प्रवेश समिति सदस्य मोबाइल नंबर 9617315822, श्री भूपेंद्र सिंह राजपूत कंप्यूटर ऑपरेटर मोबाइल नंबर 7974754856 पर सम्पर्क किया जा सकता है। शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय ग्वालियर में श्रीमती निलिमा श्रीवास्तव प्राचार्य मोबाइल नंबर 9425303507, श्रीमती निधि गोस्वामी, कंप्यूटर विज्ञान स्नातकोत्तर (टीजीटी) मोबाइल नंबर 7489019058, श्रीमती नीता जादोन, पीजीटी कंप्यूटर साइंस मोबाइल नंबर 9713273432 अदी।

बड़वानी जिले में कृषि रथ से किसानों को मिल रही है आधुनिक खेती की जानकारी

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में बड़वानी जिले के विभिन्न विकासखंडों में कृषि रथ का भ्रमण जारी है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को पारंपरिक खेती से ऊपर उठाकर वैज्ञानिक और नवीन तकनीकों से जोड़ना है। 1.राजपुर के ग्राम बिलवानी में कृषि रथ के पहुँचने पर कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती की नवीन तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। वैज्ञानिकों ने जोर दिया कि कैसे तकनीक के समन्वय से लागत कम और उत्पादन अधिक किया जा सकता है। 2.निवाली के ग्राम कन्नड़गाँव में वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को मिट्टी परीक्षण के महत्व को समझाया गया। इसके साथ ही उन्नत बीज चयन और आधुनिक सिंचाई विधियों (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर) के बारे में तकनीकी जानकारी दी गई। 3.बड़वानी के ग्राम पिपरी में किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। किसानों ने अपनी फसल संबंधी समस्याओं को साझा किया, जिनका वैज्ञानिकों द्वारा मौके पर ही समाधान सुझाया गया। कृषि रथ अब किसानों के द्वार तक पहुँच रहा है ताकि कोई भी किसान भाई जानकारी के अभाव में आधुनिक लाभों से वंचित न रहे।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती ठाकुर आज खण्डवा आएंगी

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर 16 जनवरी रात्रि में ओंकारेश्वर आएंगी तथा 17 जनवरी को सिंगाजी मंदिर एवं खण्डवा के दादा जी धूनीवाले मंदिर में दर्शन करेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर 16 जनवरी को शाम 7 बजे ओंकारेश्वर आएंगी तथा ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन करेंगी। इसके बाद रात्रि 8 बजे ओंकारेश्वर से प्रस्थान कर रात्रि 10 बजे सिंगाजी पावर प्लांट स्थित रेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगी। अगले दिन 17 जनवरी को सुबह 9:30 बजे केन्द्रीय मंत्री श्रीमती ठाकुर संत सिंगाजी समाधि के दर्शन करेंगी।

महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विभाग झाबुआ तथा इंदौर सहकारी दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध संयंत्र झाबुआ द्वारा आदिवासी चेतना शिक्षण सेवा समिति के सहयोग से सामुदायिक बैठकों का आयोजन किया गया।

बैठकें रामा विकासखंड के ग्राम हात्यादेली, रुपारेल एवं वागनेहरा तथा झाबुआ विकासखंड के ग्राम हडमतिया, परवट एवं नवागांव में आयोजित की गईं। इन बैठकों में चेतना महिला महासंघ की सदस्याएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बैठकों के माध्यम से नवीन दुग्ध समितियां खोलने की प्रक्रिया, लाभ एवं संभावनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग से डॉ. ए.एस. दिवाकर एवं डॉ. अमित दोहरे द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने पशुपालन, दुग्ध उत्पादन की उन्नत तकनीकों, पशुओं की देखरेख एवं प्रबंधन के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध अनुदान (सब्सिडी) की जानकारी देते हुए बताया कि नवीन दुग्ध समितियों के प्रारंभ होने से ग्रामों में आय के नए स्रोत विकसित होंगे।

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ से प्रबंधक श्री सोहनसिंह कनेश एवं मार्ग पर्यवेक्षक श्री उमेश दातला द्वारा सांची दुग्ध संयंत्र की कार्यप्रणाली, ग्रामीण क्षेत्रों में समितियों के माध्यम से दुग्ध संग्रहण की प्रक्रिया तथा दूध उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सहयोगी संस्था के रूप में आदिवासी चेतना शिक्षण सेवा समिति के संचालक श्री बेनेडिक्ट डामोर एवं संस्था के कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। बैठकों के दौरान आगामी समय में इन ग्रामों में दुग्ध संग्रहण केंद्र (दुग्ध कलेक्शन सेंटर) स्थापित करने की योजना पर भी चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने ओंकारेश्वर का दौरा किया

ममलेश्वर मंदिर की व्यवस्थाओं में जरूरी सुधार के दिए निर्देश

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने शुक्रवार को ममलेश्वर मंदिर परिसर का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन सर्किट हाउस भवन का भी निरीक्षण किया। मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टीन शेड की व्यवस्था कराने के लिए कहा। उन्होंने ममलेश्वर मंदिर प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर स्थित बेरिकेड हटाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ममलेश्वर मंदिर परिसर में स्थित लड्डू प्रसाद काउंटर को प्रवेश द्वार के दाहिने ओर स्थापित कर उसका नवीनीकरण करने के लिए भी अधिकारियों से कहा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने वर्तमान में मंदिर परिसर में लगी लोहे की बेरिकेडिंग को हटाकर वहां स्टेनलेस स्टील की बेरिकेडिंग लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने ममलेश्वर मंदिर परिसर में इलेक्ट्रिक वायरिंग को सुव्यवस्थित कराने तथा मंदिर परिसर में रखी हुई पुरातात्विक महत्व की मूर्तियों को एक सप्ताह की समय-सीमा में नए टीन शेड में सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से स्थापित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने ममलेश्वर मंदिर के प्रवेश द्वार के पास से गोमुख घाट की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित करने के निर्देश भी दिए, ताकि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बरदहा घाटी में आवागमन होगा सुगम - तीन मोड़ में पार होगी घाटी शीघ्र शुरू होगा सिरमौर-डभौरा रोड निर्माण का कार्य

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। रीवा से डभौरा तक सड़क निर्माण में सिरमौर से डभौरा सेक्शन के चौड़ीकरण तथा पुनर्निर्माण के लिए 311 करोड़ 62 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। सड़क निर्माण की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इससे संबंधित समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। बैठक में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि सिरमौर से डभौरा बहुत महत्वपूर्ण सड़क है। जन आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण शीघ्र शुरू कराएं। बरदहा घाटी में सुधार आवश्यक है। साथ ही अतरैला और पटेहरा में सड़क के साथ पर्याप्त चौड़ी नालियाँ बनाकर पानी की निकासी की भी व्यवस्था कराएं। पानी की निकासी सही तरीके से नहीं हुई तो सड़क को भी हानि हो सकती है। सभी स्थानों पर सड़क की चौड़ाई 18 मीटर रखना सुनिश्चित करें। घाट के नीचे के लोगों के लिए यह सड़क बहुत बड़ी सौगात साबित होगी।

बैठक में विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह ने कहा कि सड़क को चौड़ा किया जाना आवश्यक है। पटेहरा, अतरैला, लटियार तथा पनवार में सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में घर और दुकानें स्थित हैं। सड़क को हरहाल में 18 मीटर चौड़ाई में बनाएं। इसके साथ-साथ इसके किनारे के निवासियों के हितों का भी ध्यान रखें। तकनीकी मापदण्डों के साथ-साथ व्यावहारिक पहलू को ध्यान में रखते हुए सड़क का निर्माण करें। इसके टेण्डर की कार्यवाही शीघ्र पूरी कराएं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि डभौरा-सिरमौर रोड निर्माण में 27 गांव प्रभावित हो रहे हैं। इनमें से तीन गावों में भू-अर्जन की आवश्यकता नहीं है। शेष 24 गावों में भू-अर्जन के प्रस्ताव तैयार कर लिए गए हैं। सड़क निर्माण के लिए शासकीय जमीन का उपयोग किया जाएगा। अति आवश्यक होने पर ही भू-अर्जन किया जा रहा है। बरदहा घाटी में 10 से अधिक मोड़ हैं। प्रस्तावित सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद केवल तीन मोड़ से ही वाहन इस घाटी से पार हो जाएंगे। कई स्थानों पर खतरनाक मोड़ों को सीधा किया गया है।

बैठक में कार्यपालन यंत्री एनएचआई तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि ने बताया कि सड़क निर्माण की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। प्रभावित वनभूमि में निर्माण कार्य की अनुमति प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसी माह अनुमति मिल जाने की उम्मीद है। सड़क के साथ नाली निर्माण तथा सभी कस्बों में बिजली की भी व्यवस्था की जाएगी। अतरैला और पटेहरा में जल निकासी के समुचित प्रबंध किए जाएंगे। सड़क के वर्तमान एलाइनमेंट में कई स्थानों पर सुधार किया गया है। सिरमौर से डभौरा सड़क की चौड़ाई 18 से 36 मीटर तक है। इसके नए एलाइनमेंट में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि निजी भूमि और परिसम्पत्तियाँ कम से कम प्रभावित हों।

स्वच्छ पेयजल आज और कल अभियान के तहत पेयजल स्त्रोतों का परीक्षण जारी

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा स्वच्छ पेयजल आज और कल अभियान के तहत पेयजल स्त्रोतों से प्रदाय जल का परीक्षण लगातार किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सुश्री वर्षा शिवपुरे ने बताया कि इस अभियान के तहत विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा गांव गांव का दौरा कर ग्रामवासियों से चर्चा कर शुद्ध पेयजल उपलब्धता की जानकारी ली जा रही है। विभागीय अधिकारियों द्वारा किल्लोद विकासखंड क्षेत्र के ग्रामों से आ रही फ्लोराइड युक्त जल प्रदाय संबंधी शिकायतों को ध्यान में रखते हुए वहां के स्कूल, आंगनवाड़ी में तथा ग्रामीणजनों के बीच जाकर पेयजल परीक्षण कर उन्हें वास्तविक जानकारी से अवगत कराया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सुश्री शिवपुरे ने बताया कि विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि किन स्त्रोतों का पानी उनके लिए पीने योग्य है।

फ्लोराइड युक्त जल प्रदाय संबंधी शिकायतों वाले गांवों के ग्रामीणों को समझाइश दी जा रही है कि लाल निशान से चिह्नित जल स्त्रोतों का पानी पेयजल के रूप में उपयोग में न लाएं, बल्कि इस पानी को अन्य कार्यो जैसे कि नहाना, कपड़े धोना, साफ़ सफ़ाई आदि में उपयोग में लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारी कर्मचारियों द्वारा विभिन्न गांव के जल स्त्रोतों के पानी का रैंडमली परीक्षण किया जा रहा है और ग्रामीणों को बताया जा रहा है कि पानी पीने योग्य व स्वच्छ है अथवा नहीं।

मतदाता जागरूकता अभियान :- जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का शुभारंभ

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत जिला निर्वाचन कार्यालय की स्वीप शाखा द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिनों की जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आज शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। श्रीराम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट में आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता में जबलपुर जिले के 21 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के लगभग 250 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन तथा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के महत्व जैसे विषयों पर प्रभावी एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां दी। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अतिथि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। श्री गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में जहाँ एक-एक वोट कीमती होता है, वहीं मतदाता सूची शुद्ध एवं अद्यतन होना भी जरूरी है। सही एवं शुद्ध मतदाता सूची से न केवल पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित होती है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक मजबूत होती है। इस अवसर पर जिला स्वीप समन्वयक डॉ प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि जिला स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रति नागरिकों में जागरूकता पैदा करना है। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थान साझा उद्देश्य के लिए एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के पहले दिन दी गई प्रस्तुतियों में से सेमीफाइनल चरण में छह महाविद्यालयों की टीमों का चयन किया गया है। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार 17 जनवरी को फाइनल प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

अधिकारियों ने आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर कुपोषित बच्चों की जानकारी ली

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मिशन आँचल के अंतर्गत शुक्रवार को पोषण दिवस मनाया गया। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि ज़िले के ऐसे सभी 323 आंगनबाड़ी केंद्रों में, जहाँ पर कि अतिगंभीर कुपोषित श्रेणी का एक भी बच्चा विभागीय स्तर पर चिन्हित नहीं था, उन सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में जिला प्रशासन के 100 से अधिक अधिकारियों ने शुक्रवार को एक साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण कर्ता अधिकारियों ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का वज़न और ऊँचाई का नाप किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि इस चिन्हांकन अभियान के बाद कुल 80 से ज़्यादा सेम अर्थात् अतिगंभीर कुपोषित श्रेणी के बच्चे चिन्हांकित हुए हैं । अब इन सभी अतिगंभीर कुपोषित बच्चों को विशिष्ट विभागीय योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा।

बलड़ी में रोजगार मेला सम्पन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत शुक्रवार को जिले के बलड़ी जनपद पंचायत के सभाकक्ष में रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस रोजगार मेले में चंदन स्टील प्रायवेट लिमिटेड गुजरात, प्रतिभा सिन्टेक्स पीथमपुर, शिवशक्ति बायोग्रिटेक कंपनी, एल.आई.सी. खण्डवा एवं आरसेटी खण्डवा के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

म.प्र. डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक श्री आनन्द स्वरूप शर्मा ने बताया कि कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने बेरोजगार युवक युवतियों को कम्पनी से संबंधित जानकारी देकर रोजगार के संबंध में मार्गदर्शन दिया और चयन के लिए युवाओं का साक्षात्कार लिया। इस रोजगार मेले में कुल 83 युवा प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया। साक्षात्कार के बाद कुल 43 बेरोजगार युवाओं का कम्पनी द्वारा चयन किया गया। उल्लेखनीय है कि इसी तरह के रोजगार मेले पुनासा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बांगरदा में 17 जनवरी, हरसूद विकासखण्ड में जनपद पंचायत सभाकक्ष में 19 जनवरी को तथा पंधाना विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गुड़ीखेड़ा में 20 जनवरी को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच आयोजित होंगे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

विक्रांत भैरव मंदिर क्षेत्र में तेजी से चल रहा घाट निर्माण कार्य

29 किमी लंबे घाट बनाए जा रहे हैं - 14 नए पुल भी बनेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। त्रिवेणी से लेकर सिद्धवट तक 29 किमी लंबे पक्के घाट बन रहे हैं। वर्तमान में विक्रांत भैरव मंदिर क्षेत्र में घाट निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। इतना ही नहीं 29 किमी लंबे घाटों के बीच 14 नए पुल भी बनाए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन में वर्तमान में त्रिवेणी से मंगलनाथ तक शिप्रा पर छोटे-बड़े 14 पुल मौजूद हैं। वहीं आगामी सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए 14 नए पुल और बनाए जा रहे हैं। यह 14 नए पुल जुड़ने के बाद धार्मिक नगरी उज्जैन में पुलों की कुल संख्या लगभग 30 हो जाएगी। यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में एक साथ शिप्रा पर पुल बनाए जा रहे हैं। इनमें टू-लेन, फोर-लेन, सबमर्सिबल ब्रिज, उच्च स्तरीय पुल और कलात्मक आर्च ब्रिज शामिल होंगे। इसके अलावा नमामि शिप्रे परियोजना के तहत 29 किमी लंबे घाट का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। विक्रांत भैरव मंदिर के घाट तक नए घाट बनने के काम तेजी से चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार सिंहस्थ के दौरान करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। नए पुलों के बन जाने से औसतन हर 1 किलोमीटर की दूरी पर शिप्रा पार करने का रास्ता उपलब्ध होगा। इससे ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट में बड़ी राहत मिलेगी। नमामि शिप्रे परियोजना के प्रशासक इंजीनियर मयंक परमार ने बताया कि अभी शिप्रा नदी पर लगभग 8 किमी लंबे घाट बने हुए हैं। सिंहस्थ को देखते हुए इसमें 29 किमी लंबे नए घाट जोड़े जा रहे हैं। घाटों का निर्माण पूर्ण होने के बाद त्रिवेणी संगम से लेकर रामघाट और भैरवगढ़ होते हुए सिद्धनाथ तक करोड़ों आगंतुकों को स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पर्याप्त स्थान मिल सकेगा। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक सिंहस्थ में आने-जाने की सबसे बड़ी चुनौती आवागमन और क्राउड मैनेजमेंट होती है। नए पुलों और घाटों से श्रद्धालुओं की आवाजाही आसान होगी और आयोजन की भव्यता बढ़ेगी। आयोजन के बाद भी ये पुल शहरवासियों के लिए लंबे समय तक उपयोगी सिद्ध होंगे।

बसंत पंचमी पर विवाह के मुहूर्त नहीं, लेकिन परंपरागत विवाह होंगे

शुक्र अस्त होने से नहीं बनेंगे शादी के मुहूर्त - 1 फरवरी से फिर बजेगी शहनाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचांग एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 23 जनवरी को अबूझ मुहूर्त होने के बावजूद इस दिन भी विवाह संस्कार नहीं हो सकेंगे। हालांकि अबूझ मुहूर्त की परंपरा निभाते हुए कई लोग विवाह करेंगे। इसका कारण शुक्र ग्रह का अस्त रहना बताया गया है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार विवाह के कारक ग्रह शुक्र के अस्त होने से विवाह जैसे मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं।

ज्योतिष विशेषज्ञों का कहना है कि विवाह से पूर्व ग्रह-नक्षत्रों का अनुकूल होना आवश्यक माना जाता है, जिससे दांपत्य जीवन सुखमय रहे। इसी कारण शुक्र अस्त रहने की अवधि में विवाह से परहेज करने की परंपरा रही है। उपरोक्त कारणों से इस वर्ष जनवरी माह में बसंत पंचमी जैसे प्रमुख पर्व पर भी विवाह मुहूर्त नहीं बन पाएंगे। विवाह कार्य अब 1 फरवरी को शुक्र ग्रह के उदय के बाद ही पुन: आरंभ होंगे। शुक्र के उदय के साथ ही वैवाहिक आयोजनों के लिए शुभ संयोग बनेंगे और शहनाइयों की गूंज सुनाई देगी।

फरवरी में 12 विवाह मुहूर्त- फरवरी 2026 में विवाह के लिए कई शुभ तिथियां उपलब्ध रहेंगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार फरवरी माह में 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 एवं 26 फरवरी को विवाह के लिए उत्तम मुहूर्त रहेंगे। इसके बाद मई और जून माह में भी बड़ी संख्या में विवाह मुहूर्त बनेंगे।

18 जनवरी को दिखाई जाएगी मराठी फिल्म 'क्रांतिज्योती विद्यालय मराठी माध्यम'

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वर संवाद द्वारा अजिंक्य योद्धा श्रीमंत बाजीराव पेशवा पर्व 2025-26 के पंचम पुष्प के रूप में मराठी फिल्म 'क्रांतिज्योती विद्यालय मराठी माध्यम' का आयोजन किया जा रहा है।

मराठी विद्यालयों की दिन-ब-दिन घटती संख्या और मातृभाषा में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने वाली इस फिल्म के लेखक एवं निर्देशक हेमंत ढोमे हैं जो हमेशा अपने 'अपने घर जैसे' विषयों से दर्शकों को आकर्षित करते रहे हैं और इस बार वे हमें सीधे स्कूल की यादों की गलियों में ले जाने वाले हैं। यह फिल्म मराठी विद्यालयों के अस्तित्व के संघर्ष पर प्रकाश डालती है कि कैसे जब एक मराठी स्कूल बंद होने के संकट में फँस जाता है, तब उसके पुराने विद्यार्थी कई वर्षों बाद फिर से एकत्र होकर स्कूल का दौरा करते हैं। इस मुलाक़ात के बाद उनकी स्कूल से जुड़ी यादों, टूटे हुए रिश्तों और विद्यालय के प्रति उनके प्रेम की एक नई भावनात्मक यात्रा शुरू होती है। अपने अजिंक्य योद्धा श्रीमंत बाजीराव पेशवा पर्व 2025-26 के रसिकों एवं संस्था की सदस्यता लेने हेतु इच्छुक रसिकों हेतु फिल्म का आयोजन पी.व्ही. आर., कॉसमॉस मॉल में सुबह 9:30 बजे किया जा रहा है।

संक्रांति के बाद 4 डिग्री गिरा रात का तापमान

आज सुबह 7.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा - अधिकतम पारा भी लूढ़का

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो दिन की मकर संक्रांति के बाद आज शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान गिरकर 7.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। बुधवार को सुबह यह 11.3 डिग्री दर्ज हुआ था। इस प्रकार 48 घंटे में तापमान में 4 डिग्री से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। कल दिन का पारा भी घट गया था।

उल्लेखनीय है कि मकर संक्रांति से पहले पूरे सप्ताह उज्जैन में न्यूनतम तापमान 10 से 11.5 डिग्री के मध्य रहा।

मकर संक्रांति के एक दिन पहले बुधवार को यह 11.3 डिग्री रिकार्ड हुआ था। गुरुवार को इसमें गिरावट हुई और यह 9 डिग्री पर आ गया था। आज शुक्रवार को भी न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिली और यह 7.5 डिग्री पर पहुंच गया। दो दिन में न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री की गिरावट आने से संक्रांति के बाद एक बार फिर ठंड बढ़ गई है। अधिकतम तापमान भी परसों 28 डिग्री से घटकर कल 27 डिग्री पर आ गया था। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त ने बताया कि उत्तरपूर्वी राज्यों में सर्द हवा बर्फबारी में एक बार फिर मैदानी ईलाकों में सर्दी बढ़ा दी है। इसका असर अगले 3-4 दिन रहेगा।

रिमांड पर पार्टनरशीप के नाम पर 1.85 करोड़ ठगने वाला आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेक रेकॉन फर्म में पार्टनरशीप का झांसा देकर महिला के साथ 1.85 करोड़ का ठगी करने वाला आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गया। शुक्रवार को उसे न्यायालय में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। आरोपी का एक साथी हरियाणा पुलिस की गिरफ्त में है।

केशवनगर में रहने वाली विजया पति प्रदीप हरेल ने नीलगंगा थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी कि सिंगरौली में रहने वाले संजीव कुमार सिंह और भोपाल निवासी निशीकांत मिश्रा ने मेक रेकॉन फर्म में पार्टनरशीप के नाम पर 1 करोड़ 85 लाख 50 हजार 500 रूपये की धोखाधड़ी की है। थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि शिकायत की जांच के बाद मामले में 24 दिसंबर 2025 को दोनों के खिलाफ धारा 318 (4), 316 (2), 316 (5), 3 (5) भारतीय न्याय संहिता का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया था। दोनों की तलाश के लिये एसआई यादवेन्द्र परिहार, भूपेन्द्र चौहान, प्रधान आरक्षक कपिल राठौर, पियूष मिश्रा, आरक्षक पुष्पराज की टीम गठित की गई थी। 21 दिन बाद गुरूवार को मामले में शामिल आरोपी संजीव कुमार पिता रामजन्म सिंह 50 साल निवासी हरयपुर थाना बेढन जिला सिंगरौली को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद सामने आया कि उसके साथी निशीकांत मिश्रा मिसरोद भोपाल को साइबर और वित्तिय धोखाधड़ी के मामले में हरियाणा थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी के अनुसार शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर 3 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। दोनों आरोपियों ने विजया हरेल को वर्ष 2022-23 में मेक रेकॉन फर्म खोलने का झांसा देते हुए बताया था कि वह पुरानी बड़ी मशीनों को खरीदकर उन्हे नई बनायेगें और कंपनियों को बेचेंगे। फर्म में विजया हरेल पार्टनर बनाने की बात कहीं गई थी और अलग-अलग समय में करोड़ों की राशि लेकर परिचितों और तीसरे पक्ष की कंपनी के खाते ट्रांजेक्शन कर दिया। दोनों ने कोई फर्म नहीं खोली। विजया हरेल को दोनों की करतूत का पता चला तो राशि लौटाने की बात कहीं लेकिन उन्होने राशि लौटाने से साफ इंकार कर दिया। दोनो आरोपियों ने देश में मध्यप्रदेश के साथ हरियाणा, तेलंगाना सहित कई राज्यों में लोगों को निवेश, व्यवसाय और पार्टनरशीप का झांसा देकर ठगी को अंजाम दिया है। दोनों अंतरराज्यीय स्तर पर ठगी को अंजाम दे चुके है।

मुख्यमंत्री के बड़े भाई नारायण यादव एवं भतीजे अभय यादव का जन्मदिन सादगी और सेवा के साथ मनाया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिंतामण रोड स्थित होटल में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई, वरिष्ठ समाजसेवी नारायण यादव एवं उनके भतीजे अभय यादव का जन्मदिन उत्साह, सादगी और मानवीय संवेदनाओं के साथ मनाया गया। यह अवसर केवल उत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सेवा, सहयोग और सामाजिक सरोकारों का उत्कृष्ट उदाहरण भी बना। जन्मदिन के अवसर पर रोहित मित्र मंडल द्वारा केक कटिंग कर नारायण यादव एवं अभय यादव का फूलों की माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उपस्थितजनों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।रोहित मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि जब वे जन्मदिन कार्यक्रम में पहुंचे, तो वहां का वातावरण अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक था। उन्होंने कहा कि इतने बड़े समाजसेवी द्वारा अपने जन्मदिन को सेवा कार्य में परिवर्तित करना वास्तव में सराहनीय है। जन्मदिन के पावन अवसर पर अभय यादव द्वारा खाचरोद की स्नेह संस्था के 120 एवं इंदौर की सिद्धिविनायक संस्था के 60 दिव्यांगजनों को उज्जैन लाकर ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कराए गए। इस दौरान स्वयं अभय यादव ने भी भगवान महाकाल के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सुबह 10 से रात 10 बजे तक उज्जैन में वायु प्रदूषण 3 गुना

गुरुवार सुबह 10 बजे ही प्रदूषण का स्तर पहुंच गया था 168 एक्यूआई पर - गुरुवार रात 8 बजे 183 एक्यूआई अधिकतम था

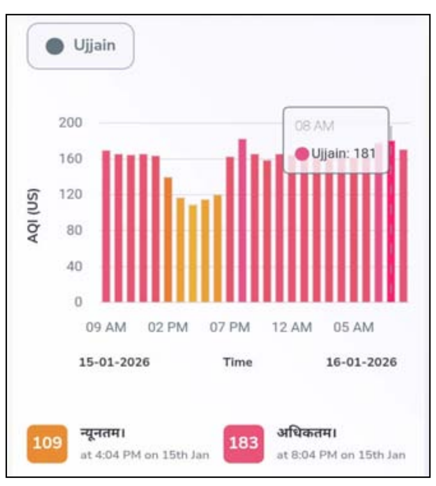

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्रदूषण का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। हालात यह है कि एयर क्वालिटी इंडेक्स सुबह 10 बजे के तक 168 एक्यूआई तक चला गया। वहीं बिती रात 8 बजे यह 183 एक्यूआई दर्ज हुआ था। ऐसे में दोपहर से लेकर रात तक शहर की हवा दम घोंटने वाली रहनी लगी है।

उल्लेखनीय है कि शहर में वायु प्रदूषण का स्तर लोगों का स्वास्थ्य खराब करने वाला हो चुका है। जबकि 51 को सामान्य और 101 से लेकर 200 के बीच का एक्यूआई मध्यम माना जाता है। उधर, 201 से 300 के बीच का एक्यूआई खराब माना जाता है। शहर में प्रदूषण का स्तर 100 से अधिक रहने के कारण लोग सांस की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। डॉ. एचपी सोनानिया ने बताया कि अभी सर्दी के मौसम में शुष्क हवा चलती है और धूल बहुत उड़ती है तथा वाहनों का धुआं भी इसमें मिलकर और हवा को खराब कर देता है। ऐसे में मास्क लगाकर निकलें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को सांस संबंधी बीमारी और भी अधिक बढ़ जाती है। जिन रोगियों में यह बीमारी दबी हुई होती है वह उखड़ जाती है, इसलिए सावधानी रखें। इधर आज सुबह 10 बजे महाकाल क्षेत्र में वायु प्रदुषण का स्तर 168 एक्यूआई था। जबकि बीती रात 8 बजे यह 183 एक्यूआई तक पहुंच गया था। इस स्तर को बेहद खराब वायु स्तर माना जाता है।

ना पति मिला ना परिजन, दफनाया गया महिला का शव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में 13 जनवरी की देर शाम लीलाबाई 40 साल को कालू भील निवासी ग्राम मोरवानी रतलाम लेकर पहुंचा था। उसने खुद को लीलाबाई का पति बताते हुए जानकारी दी कि देवास में हुई दुर्घटना में घायल हुई है। डॉक्टरों ने उपचार के लिये भर्ती किया और कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस अस्पताल पहुंची लेकिन लीलाबाई बोल पाने की हालत में नहीं थी। पति कालू ने बताया कि रेलवे स्टेशन देवास में कार चालक ने टक्कर मारी थी। वह ट्रेन से पत्नी को उज्जैन लेकर आया है। पुलिस लीलाबाई की हालत में सुधार का इंतजार कर रही थी।

लेकिन रात में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस दोबारा अस्पताल पहुंची तो पति कालू भी लापता हो गया था। पुलिस ने कालू भील द्वारा लिखाये गये पते पर संपर्क कर सूचना दी लेकिन कोई जानकारी सामने नहीं आ पाई। बुधवार दिनभर लापता पति को तलाशने के प्रयास किये गये, गुरूवार दोपहर तक कुछ पता नहीं चला।

एसआई हर्षिता सावरियां ने बताया कि परिजनों और पति की जानकारी नहीं मिलने पर शव का पोस्टमार्टम कराकर लाश को दफनाने की प्रक्रिया पूरी की गई है। मृतक महिला को दुर्घटना में मामूली चोंट थी, लेकिन पता चला है कि वह पूर्व से किसी गंभीर बीमारी से भी ग्रस्त थी।

महाकाल की नगरी में जुटेंगे संभागभर के कलमकार, लंबित मांगों पर मंथन होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के आह्वान पर संभागभर के कलमकार 31 जनवरी को उज्जैन में जुटेंगे। बाबा महाकाल की नगरी में कलमकारों का समागम एवं मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रति क्रांतिकारी समिति बैठक भी आयोजित होगी। आयोजन के रूपरेखा को लेकर संभाग के जिला अध्यक्षों की उज्जैन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई जिसमें स्वागत सम्मान के साथ ही विभिन्न समितियों का गठन किया गया। मध्य प्रदेश श्रमजीव पत्रकार संघ के प्रांतीय महासचिव सत्यनारायण वैष्णव, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र पुरोहित, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र राठौर कि अगुवाई एवं संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन कि अध्यक्षता मे दशहरा मैदान स्थित होटल सुराना पैलेस मे आयोजित संभागीय बैठक में उज्जैन, शाजापुर, देवास, आगर, नागदा आदि के जिला अध्यक्षों ने सम्मेलन को लेकर जरुरी सुझाव दिए। उज्जैन जिला अध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया के अनुसार करीब तीन वर्षो के बाद उज्जैन में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रांतीय कार्यसमिति एवं उसके साथ ही संभागीय पत्रकार सम्मेलन नीलगंगा स्थित शिवांजलि गार्डन मे आयोजित हो रहा है। जिसमें पत्रकारों से संबंधित लंबित मांगों, विभिन्न समस्याओं से लेकर आगामी सिंहस्थ 2028 में पत्रकारों की भूमिका एवं विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर मंथन होगा।

बालिका को भगाने वाले बालक को नग्न कर घुमाया

मारपीट कर मुंह किया काला, 2 आरोपियों को भेजा जेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बालिका को भगाने के मामले में जेल से रिहा होकर आए बालक को बालिका के परिजनों ने पकड़ लिया और मारपीट करने के बाद मुंह काला किया। इतना करने के बाद भी बालिका के परिजनों ने उसे नग्न किया और क्षेत्र में डेढ़ से दो किलोमीटर तक घुमाया। मामले से जुड़े दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है एक महिला और युवक भी हिरासत में आ गए हैं।

पंवासा थाना क्षेत्र के शंकरपुर में रहने वाला 16 वर्षीय बालक तीन माह पहले हमउम्र बालिका को प्रेम प्रसंग के चलते अपने साथ भाग कर ले गया था। कुछ दिन बाद दोनों ने थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया था। मामला नाबालिक से जुदा होने पर बालिका को बालिका सुधार गृह भेज दिया गया था और बालक को बाल न्यायालय भेजा गया था जहां से उसे बाल संप्रेषण गृह में रखा गया। 3 माह बाद बाल संप्रेषण गृह से रिहा होने के बाद बालक अपनी मां के साथ देवास रहने चला गया था लेकिन मन की तबीयत खराब होने पर वह शंकरपुर में रहने वाले अपने दोस्त के यहां रूपयो की मदद मांगने आया था। जहां बालिका के परिवार वालों ने उसे पकड़ लिया। बालक के साथ बुरी तरह कमरे में बंद कर मारपीट की गई और मुंह काला करने के बाद कपड़े फाड़ कर नग्न कर दिया गया। बालिका के परिजन यही नहीं रुके उन्होंने बालक को रस्सी से बांध और क्षेत्र में डेढ़ से 2 किलोमीटर तक नग्न घुमाया। घटनाक्रम के दौरान कई लोग नग्न बालक का वीडियो बनाते रहे, किसी ने रोकने का प्रयास नहीं किया। अपने साथ हुई घटना के बाद बालक देवास लौटा और वापस परिजनों के साथ पुलिस कंट्रोल रूम पहुंच कर मामले की शिकायत की। पंवासा थाना पुलिस में मामला सामने आने के बाद एक महिला सहित तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। वहीं शुक्रवार शाम एक महिला और एक युवक और पुलिस की हिरासत में आ गया। थाना प्रभारी गमर सिंह मंडलोई के अनुसार वीडियो सामने आने के बाद दो आरोपियों के नाम और बढ़ाए गए हैं जिसमें एक नाबालिक शामिल है दोनों की तलाश की जा रही है।

क्षिप्रा विहार कॉलोनी के मकान की पहली मंजिल पर चल रहा था जुआघर

क्राइम ब्रांच की दबिश में 15 गिरफ्तार 70 हजार नगद और 14 मोबाइल जप्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवासरोड पर गुरुवार शुक्रवार रात एक मकान में जुआघर चलाया जा रहा था। क्राइम ब्रांच को खबर मिली तो नागझरी थाना पुलिस के साथ दविश दी गई। 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया और मौके से 70 हजार रुपए नगद बरामद किए गए। क्राइम ब्रांच में सभी के मोबाइल भी जप्त किए हैं।

नागझरी थाना क्षेत्र की क्षिप्रा विहार कॉलोनी में अब्दुल मजीद उर्फ बबलू के मकान में जुआघर संचालित होने की खबर क्राइम ब्रांच टीम को मिली थी। रात में क्राइम टीम द्वारा नागझरी थाना पुलिस के साथ मकान की घेराबंदी कर दबिश से दी गई। मकान की पहली मंजिल से 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से ताश के पत्ते और 70 हजार 460 रुपए की नगद राशि बरामद की।

क्राइम ब्रांच ने 14 मोबाइल भी जप्त किये। सभी को नागझिरी थाने लाया गया जहां पूछताछ में उनके नाम इरफान पिता इकबाल खान निवासी तोपखाना, इमरान पिता उस्मान खान निवासी दानीगेट, अब्बु बकर पिता अब्दुल हकीम तोपखाना, लियाकत पिता बाबू खान खंदार मोहल्ला, बबलू उर्फ अब्दुल मजीद पिता अब्दुल हकीम मूल निवासी खंदार मोहल्ला हाल मुकाम क्षिप्रा विहार कॉलोनी, भूरा उर्फ कमर हुसैन पिता केसर हुसैन , निवासी जांसापुरा, आरिफ पिता अब्दुल रऊफ नलियाबाखल, मोहम्मद अकील पिता उमर इशाक आगर नाका, यादव कॉलोनी, जावेद पिता अब्दुल सलाम शेख खंदार मोहल्ला, मोहम्मद शादाब पिता इकबाल खान तोपखाना, शादाब पिता शहजाद खान जांसापुरा, इमरान पिता अब्दुल वहीद अहिल्या मार्ग, महाराजवाड़ा के पास, इरशाद पिता सफदर हुसैन विराट नगर, इरफान पिता गामा 40 क्वार्टर, जांसापुरा और इकबाल पिता गफ्फार निवासी हेलावाडी होना सामने आये। सभी आरोपियों के खिलाफ पब्लिक गैंबलिंग एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया। नागझिरी थाना पुलिस ने सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा की कार्रवाई की और शुक्रवार दोपहर कोर्ट में पेश किया।

सार्थक एप बना परेशानी, स्वास्थ्य कर्मचारी भोग रहे पीड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार सार्थक एप के माध्यम से जो उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधानित किया गया है, यह काफी असुविधाजनक होने से मेडिकल स्टाफ व फिल्ड कर्मचारियों को काफी असुविधा व परेशानी भोगनी पड रही है।

जिस पर पुनर्विचार किया जावे। उक्त मांग करते हुए सार्थक एप की कमियों के विरोध में न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एम आर मंसूरी, जिला अध्यक्ष एस पी अहिरवार व सीएचओ जिला अध्यक्ष डॉ रमाकांत मिश्रा के नेतृत्व में एवं प्रदेश महामंत्री राजेंद्र अहिरवार, संभागीय सचिव संजय सिसोदिया, संभागीय उपाध्यक्ष एलएन गेहलोत, जिला सचिव परमानंद कटारिया, जिला उपाध्यक्ष एमडी अहिरवार की उपस्थिति में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा को ज्ञापन दिया गया। इस दौरान विधायक श्री जैन ने आश्वस्त किया कि समस्या के निराकरण हेतु उचित पहल करेंगे। आगामी दिवस में मुख्यमंत्री के उज्जैन आगमन पर कर्मचारियों को उनसे मिलवाकर उनके समक्ष भी स्वास्थ्यकर्मियों की समस्या रखेंगे और राहत दिलवाने के प्रयास करेंगे।

औद्योगिक विस्तार के साथ स्वास्थ्य विकास, बेहतर कार्यसंस्कृति पर भी जोर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग में औ्दयोगिक विकास की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। पिछ्ले दो वर्षों में ही 38,506 करोड़ रुपए के निवेश से 33,676 रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। इस तेजी से बढ़ते औद्योगिक विकास और निवेश को गति देने में एमपीआईडीसी के कर्मचारी लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। लगातार कार्यभार और जिम्मेदारियों के बीच कई बार कर्मचारी अपनी सेहत की उपेक्षा कर देते हैं। कर्मचारियों को स्वस्थ रखते हुए मजबूत कार्यसंस्कृति बनाए रखने और औद्योगिक विकास को अधिकतम करने के उद्देश्य से एमपीआईडीसी के संभागीय कार्यालय, विक्रम उद्योगपुरी में शुक्रवार 16 जनवरी को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर श्री ऑरोबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सेम्स), इंदौर द्वारा लगाया गया, जिसमें करीब 22 सदस्यीय मेडिकल टीम ने सेवाएं दीं। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस मल्टी स्पेशलिटी हेल्थ कैंप में कर्मचारियों की विभिन्न जांचें की गईं। इन जांचों के माध्यम से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, लीवर संबंधी बीमारियां, कोलेस्ट्रॉल असंतुलन, थायरॉइड विकार और दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान की गई। शिविर में फाइब्रोस्कैन (लीवर जांच), ईसीजी (हृदय जांच), लिपिड प्रोफाइल (कोलेस्ट्रॉल), थायरॉइड, ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर और आंखों की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

इसमें कई कर्मचारियों में फैटी लीवर, ब्लड प्रेशर, शुगर और थायरॉइड असंतुलन जैसी समस्याओं के शुरुआती लक्षण पाए गए। डॉक्टरों ने उन्हें समय रहते दवाइयों, नियमित जांच और जीवनशैली में सुधार की सलाह दी। साथ ही हृदय रोग से बचाव के लिए कम नमक और कम तले-भुने भोजन का सेवन, रोजाना व्यायाम, तनाव कम रखने और धूम्रपान से दूर रहने की सलाह दी गई। मधुमेह से पीड़ित कर्मचारियों को संतुलित आहार, मीठे खाद्य पदार्थों से परहेज और नियमित शुगर जांच कराने के सुझाव दिए गए। वहीं, लीवर संबंधी समस्याओं से बचाव के लिए शराब से दूरी, स्वस्थ खानपान और समय-समय पर फाइब्रोस्कैन कराने की सलाह दी गई। आंखों की जांच के दौरान कर्मचारियों को स्क्रीन टाइम कम करने और नियमित नेत्र परीक्षण कराने के लिए जागरूक किया गया।

कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कार्यालय परिसर में ही विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच और परामर्श की सुविधा मिलना बेहद लाभकारी है। इससे समय की बचत होती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान आसानी से हो जाता है। इस आयोजन से यह संदेश गया कि औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं, जो एक सकारात्मक और सराहनीय पहल है।

शिविर में मेडिसिन विभाग से डॉ. रोहन भुटरा और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग से डॉ. अर्पित गौर ने मरीजों का परीक्षण किया।